- गठबंधन सरकार का अर्थ स्पष्ट कर सकेंगे और
- ग्रामीण स्थानीय शासन अर्थात् पंचायती राज व्यवस्था के त्रिस्तरीय ढाँचें तथा शहरी स्थानीय शासन का वर्णन कर सकेंगे।

19.1 लोकतंत्र का अर्थ

आइए, लोकतंत्र को समझें

एक दफ्तर की कैंटीन में कुछ कर्मचारी चाय-नाश्ता कर रहे थे। आपस में बातचीत चल रही थी। एक टेबल पर बैठे चार लोग कुछ ज्यादा जोर-जोर से बोल रहे थे। इसलिए उनकी बातचीत अन्य लोग भी सुन रहे थे। चर्चा के विषय थे– देश व दुनिया की राजनीति, भ्रष्टाचार, नेता, राजनीतिक दल आदि। उनमें से कोई एक किसी नेता या राजनीतिक दल की आलोचना करता तो दूसरा उसके समर्थन में तर्क देने लगता। सरकार के काम-काज तथा उसकी नीतियों पर ऐसी बहस चल रही थी, मानो संसद चल रही हो। ग्राम प्रधान से लेकर मुख्यमंत्री तथा प्रधानमंत्री सभी की उपलब्धियों और नाकामियों का लेखा-जोखा पेश किया जा रहा था। कोई भ्रष्टाचार पर चिन्ता व्यक्त कर रहा था तो कोई सत्ताधारी दल द्वारा चुनाव के दौरान किए गए वायदे पूरा न होने से खफा था। पास में बैठी महिलाओं के लिए बढ़ती महँगाई सबसे बड़ा मुद्दा था। चर्चा नेता, राजनीतिक दलों से लेकर पूरी राजनीतिक व्यवस्था और लोकतंत्र तक जा पहुँची। एक बोला– किस बात के चुनाव और कैसा लोकतंत्र? हमारे गाँव में पंचायत चुनाव के दौरान इतने झगड़े हुए कि अभी तक मनमुटाव है। प्रत्याशियों ने चुनाव में खूब पैसा बहाया, लेकिन गाँव के विकास के नाम पर वही ढाक के तीन पात।

इस गर्मागर्म बहस को एक व्यक्ति चुपचाप सुन रहा था। वह पास आकर बोला– "मैं आप लोगों की बातों को बड़े ध्यान से सुन रहा था। मैं मानता हूँ कि हमारे देश में अनेक समस्याएँ हैं, जिनका समाधान करने के लिए कोशिश की जानी चाहिए। लेकिन लोकतंत्र को बेकार और असफल कहने वालों से मैं बिल्कुल सहमत नहीं हूँ। आप और मैं बिना किसी डर के अपनी बात रख पा रहे हैं, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और न जाने किस-किस की आलोचना कर रहे हैं, यह आजादी लोकतंत्र की ही देन है। मैं मानता हूँ कि हमारे कुछ नेता और जन प्रतिनिधि भ्रष्ट हैं, लेकिन उन्हें चुना किसने है? आपने और हमने। यदि हम बुद्धि और विवेक से मतदान करें तथा जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र आदि से ऊपर उठकर अपने मतदान का प्रयोग करें तो हम इस व्यवस्था को और बेहतर बना सकते हैं। लोकतंत्र ही एकमात्र ऐसी व्यवस्था है, जिसमें शासन की अन्तिम शक्ति जनता में निहित होती है। इसलिए लोकतंत्र को सफल बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है।" अपनी बात कहकर वह चला गया। वहाँ बैठे लोग कुछ देर के लिए सोच में पड़ गए, मानो लोकतंत्र को नए सिरे से समझने की कोशिश कर रहे हों।

लोकतंत्र एक ऐसी शासन-व्यवस्था है, जिसमें जनता स्वयं शासन करती है या जनता के चुने हुए प्रतिनिधि शासन करते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि लोकतंत्र जनता का, जनता के द्वारा, जनता के लिए शासन है।

भारत में प्राचीन काल से ही किसी न किसी रूप में लोकतंत्र रहा है। यह पंचायतों के रूप में तो रहा ही है, साथ ही, यह भी माना जाता था कि प्रजा की सेवा करना राजा का सबसे बड़ा धर्म है। लोकतंत्र का भी तो यही उद्देश्य है। विचारों की स्वतंत्रता व विरोधी विचारों के प्रति भी सहनशीलता व सम्मान ये तत्त्व भारत के सामाजिक जीवन में हमेशा से रहे हैं। यही कारण है कि नव स्वतंत्र देशों में भारत के अलावा ऐसे बहुत कम देश हैं, जहाँ लोकतंत्र सफल रहा हो।

लोकतंत्र का प्रारम्भिक रूप प्रत्यक्ष लोकतंत्र था। इसमें कोई चुना हुआ प्रतिनिधि नहीं होता था। लोग अपने लिए खुद नियम बनाते थे तथा उनका पालन करते थे। प्रत्यक्ष लोकतंत्र बहुत कम जनसंख्या और छोटे राज्य में तो संभव था, किन्तु बड़ी जनसंख्या वाले और बड़े राज्यों में इसे लागू करना असंभव था। स्विटजरलैंड में कुछ जगह अभी भी प्रत्यक्ष लोकतंत्र को अपनाया जाता है।

वर्तमान समय में जहाँ भी लोकतंत्र है, वह अप्रत्यक्ष लोकतंत्र ही है। इसे प्रतिनिधिक लोकतंत्र भी कहते हैं। इसमें जनता खुद शासन नहीं करती, बल्कि जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधि शासन करते हैं। प्रतिनिधिक लोकतंत्र को भी दो वर्गों में बाँटा जाता है– संसदीय लोकतंत्र और अध्यक्षात्मक लोकतंत्र।

ब्रिटेन को आधुनिक लोकतंत्र की जननी कहा जाता है, क्योंकि आधुनिक लोकतंत्र की शुरुआत वहीं हुई। ब्रिटेन में संसदीय लोकतंत्र पाया जाता है। भारत में अंग्रेजी शासन के दौरान आंशिक रूप से ब्रिटिश लोकतंत्र की तर्ज पर कुछ लोकतांत्रिक संस्थाओं की नींव पड़ चुकी थी। इसलिए स्वतंत्र भारत के संविधान में संसदीय लोकतंत्र को ही स्वीकार किया गया। संसदीय लोकतंत्र में राज्य व राष्ट्र का अध्यक्ष राष्ट्रपति होता है। सभी कार्यपालिका संबंधी शक्तियाँ राष्ट्रपति के पास होती हैं। लेकिन राष्ट्रपति उन शक्तियों का प्रयोग प्रधानमंत्री और उसकी मंत्रि–परिषद की सलाह पर करता है।

प्रधानमंत्री कार्यपालिका का वास्तविक मुखिया होता है। प्रधानमंत्री और उसकी मंत्रि–परिषद का संसद के निम्न सदन (लोकसभा) में बहुमत होना जरूरी है। इसलिए संसदीय लोकतंत्र में कार्यपालिका विधायिका के प्रति जवाबदेह होती है। दूसरी तरफ अमेरिका में राष्ट्रपति राज्य और सरकार दोनों का अध्यक्ष होता है। इसे अध्यक्षात्मक लोकतंत्र कहा जाता है। वह कार्यपालिका का मुखिया होता है, लेकिन सत्ता में बने रहने के लिए उसका वहाँ की विधायिका के निम्न सदन (प्रतिनिधि सभा) में बहुमत होना जरूरी नहीं है।

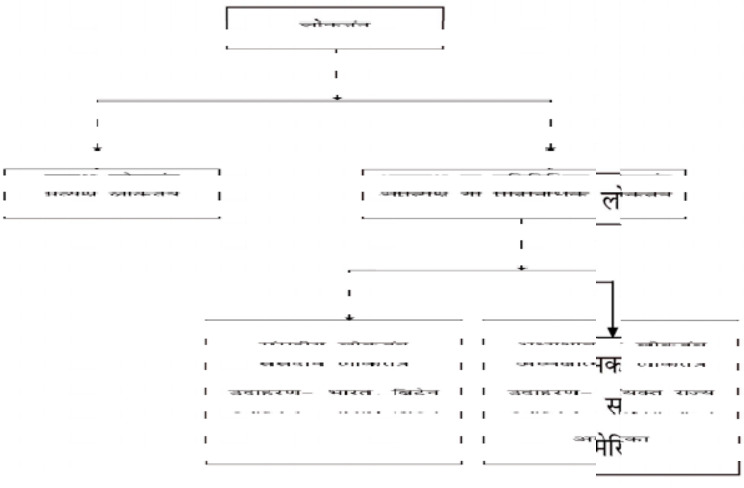

पाठगत प्रश्न 19.1

1. **सही वाक्य पर ✓ तथा गलत पर ✗ का निशान लगाइए–**

(क) लोकतंत्र में विपक्ष के विचारों का भी आदर किया जाता है। ( )

(ख) लोकतंत्र में नागरिक सरकार की आलोचना नहीं कर सकते। ( )

(ग) लोकतंत्र में शासन की अन्तिम शक्ति जनता के पास होती है। ( )

(घ) लोकतंत्र विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है। ( )

2. **सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए–**

(क) .... में लोकतंत्र का अध्यक्षात्मक रूप पाया जाता है। (ब्रिटेन / संयुक्त राज्य अमेरिका)

(ख) भारत में .... लोकतंत्र पाया जाता है। (संसदीय / अध्यक्षात्मक)

(ग) .... को आधुनिक लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। (संयुक्त राज्य अमेरिका / ब्रिटेन)

(घ) भारत में .... कार्यपालिका का वास्तविक मुखिया होता है। (प्रधानमंत्री / राष्ट्रपति)

19.2 लोकतंत्र के आधारभूत तत्त्व

लोकतंत्र के कुछ आधारभूत तत्त्व होते हैं। उनके बिना लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। लोकतंत्र के ये आधारभूत तत्त्व हैं–

1. **कानून का शासन :** प्रत्येक लोकतंत्र का एक लिखित या अलिखित संविधान होता है। देश का शासन संविधान द्वारा तय किए गए नियमों और कानूनों के आधार पर चलाया जाता है। व्यक्ति चाहे कितने भी बड़े पद पर बैठा हो, वह वही कार्य कर सकता है, जिन्हें करने की संविधान उसे अनुमति देता है। इसलिए कहा जाता है कि लोकतंत्र में व्यक्ति नहीं, संविधान सबसे बड़ा होता है अर्थात् कानून सबसे बड़ा होता है। व्यक्ति शासन नहीं करता है बल्कि कानून शासन करता है।

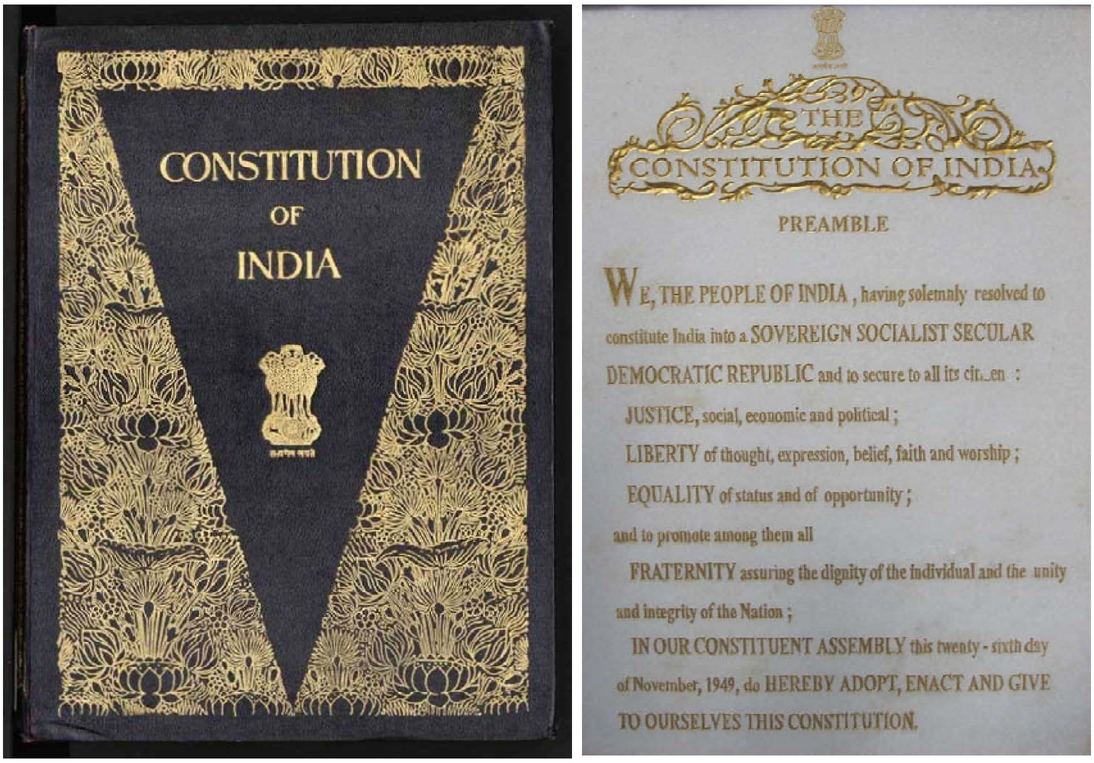

चित्र 19.1 : भारत का संविधान

2. **मौलिक अधिकार :** लोकतंत्र ही एकमात्र ऐसी शासन-प्रणाली है, जो नागरिकों को अनेक प्रकार के अधिकार और स्वतंत्रताएँ देती है। स्वतंत्रता और समानता लोकतंत्र के आधार माने जाते हैं। जिस देश के संविधान में नागरिकों को ये दो अधिकार नहीं दिए गए हैं, वह लोकतंत्र नहीं हो सकता। भारत के संविधान में नागरिकों को छः मौलिक अधिकार दिए गए हैं।

चित्र 19.2 : भाषण देता हुआ व्यक्ति

3. **सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार :** आप पढ़ चुके हैं कि लोकतंत्र में जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधि शासन करते हैं। जनता अपने वोट या मत से अपने प्रतिनिधि चुनती है। इस प्रकार बिना मताधिकार लोकतंत्र संभव नहीं है। शुरुआती दौर में ब्रिटेन जैसे देश में भी कुछ ही लोगों को मतदान का अधिकार था। वहाँ लम्बे समय तक केवल पुरुषों को ही मतदान का अधिकार प्राप्त था। इस तरह की व्यवस्था को सीमित मताधिकार कहा जाता है। 1928 में महिलाओं को भी मतदान का अधिकार दिया गया।

चित्र 19.3 : चुनाव में महिलाओं की भागीदारी

जैसे–जैसे लोकतंत्र मजबूत होता गया, मताधिकार का भी विस्तार हुआ। लोकतांत्रिक देशों में एक निश्चित आयु प्राप्त करने पर सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के मतदान का अधिकार दिया जाने लगा। इसे सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार कहा जाता है। भारत में मताधिकार के लिए 18 वर्ष की आयु निश्चित की गई है। सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार समानता के सिद्धान्त पर आधारित है। इसमें जाति, धर्म, वर्ग, लिंग, नस्ल आदि के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता। सभी नागरिकों को समान रूप से मताधिकार दिया जाता है। सभी नागरिकों के वोट का एक जैसा महत्त्व होता है, चाहे वे गरीब हों या अमीर।

4. **राजनीतिक दल :** राजनीतिक दल भी लोकतंत्र का एक महत्त्वपूर्ण तत्त्व हैं। हम राजनीतिक दलों के विषय में सुनते रहते हैं। उनके नामों से भी परिचित हैं। हम जानते हैं कि लोकतंत्र में जनता ही सरकार चुनती है। लेकिन चुनाव और सरकार बनाने में राजनीतिक दलों की अहम भूमिका होती है। प्रत्येक राजनीतिक दल अपनी नीतियाँ और कार्यक्रम घोषित कर चुनाव में प्रत्याशी उतारता है। चुनाव के बाद जिस दल को बहुमत मिलता है, वह देश या राज्य का शासन-प्रशासन चलाता है। सत्ताधारी दल के अलावा अन्य दल विपक्ष की भूमिका निभाते हैं।

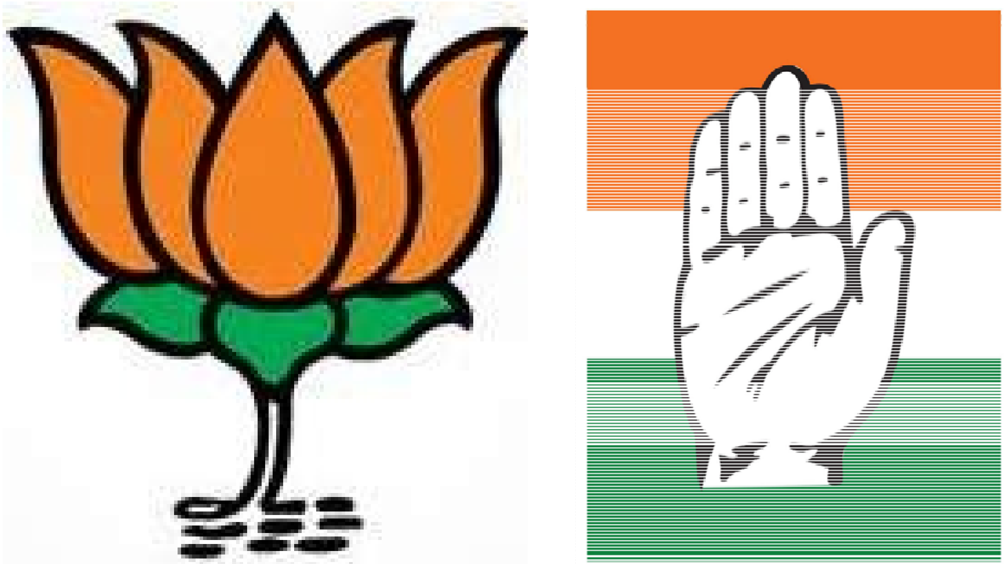

चित्र 19.4 : दो प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के चुनाव चिह्न

5. **निर्वाचन व्यवस्था :** लोकतंत्र की सफलता के लिए यह जरूरी है कि चुनाव की ऐसी व्यवस्था हो, जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करा सके। जिस व्यवस्था में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं होते, उसे हम लोकतंत्र नहीं कह सकते। हमारे देश में संविधान द्वारा चुनाव कराने की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग को दी गई है। इसे चुनाव आयोग भी कहते हैं। निर्वाचन आयोग बिना किसी दबाव और पक्षपात के निष्पक्षता से चुनाव कराने में सक्षम है।

हमारे देश में चुनाव तीन प्रकार के होते हैं–

(क) **आम चुनाव :** लोकसभा या विधान सभा के पाँच साल का कार्यकाल पूरा होने पर जो चुनाव कराए जाते हैं, उन्हें आम चुनाव कहा जाता है।

(ख) **मध्यावधि चुनाव :** पाँच वर्ष के कार्यकाल से पहले लोकसभा या विधान सभा के भंग होने पर बीच में ही चुनाव कराए जाते हैं। उन्हें मध्यावधि चुनाव कहा जाता है।

(ग) **उप चुनाव :** यदि संसद या विधान-मंडल के किसी सदस्य की मृत्यु होने या त्यागपत्र देने के कारण सीट खाली हो जाती है तो उस सीट को भरने के लिए कराए गए चुनाव को उप चुनाव कहा जाता है।

6. **संचार माध्यम व मीडिया :** मीडिया और संचार के माध्यमों को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है। इसके पहले तीन स्तम्भ हैं– विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका। इससे हम संचार माध्यमों के महत्त्व को समझ सकते हैं। जन संचार के साधन, जैसे टी.वी., रेडियो, समाचार पत्र व पत्रिकाएँ जनमत के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संचार के साधन सरकार की नीति और निर्णयों को जनता तक पहुँचाते हैं तथा जनता की समस्याओं व माँगों से सरकार को अवगत कराते हैं। लोकतंत्र की सफलता के लिए यह जरूरी है कि मीडिया स्वतंत्र और निष्पक्ष हो।

पाठगत प्रश्न 19.2

1. भारत में मताधिकार की उम्र क्या है?

....

2. संविधान क्यों आवश्यक है?

....

3. ब्रिटेन में महिलाओं को मतदान का अधिकार कब दिया गया?

....

4. किन्हीं चार राजनीतिक दलों के नाम बताइए।

....

19.3 गठबंधन सरकार

हमने चर्चा की कि चुनाव के बाद लोक सभा व विधान सभा में बहुमत प्राप्त करने वाली पार्टी सरकार का गठन करती है। लेकिन कभी-कभी ऐसा भी देखने को मिलता है कि चुनाव के बाद किसी एक दल को बहुमत नहीं मिलता। माना, किसी राज्य में विधान सभा की 70 सीटें हैं। बहुमत के लिए किसी भी दल को कम से कम आधी से अधिक सीटें चाहिए। अर्थात् उसके पास 36 सीटें होनी चाहिए। माना, चुनाव के बाद चार दलों को 15, 10, 20 और 25 सीटें मिलीं। किसी को भी 36 सीटें नहीं मिलीं। इस तरह किसी एक दल को बहुमत नहीं मिला। इसलिए दो ऐसे दल मिलकर सरकार बना सकते हैं, जिनकी सीटें मिलकर 36 या उससे अधिक हो जाएँ। ऐसी सरकार को गठबंधन सरकार कहा जाता है।

गठबंधन सरकार अपेक्षाकृत कमजोर व अस्थिर होती है, क्योंकि यदि कोई दल समर्थन वापस ले लेता है तो सरकार का बहुमत खत्म हो जाता है। वह अल्पमत में आ जाती है, और अल्पमत सरकार शासन करने का अधिकार खो देती है। भारत में केन्द्र और राज्यों में कई बार गठबंधन सरकारें बन चुकी हैं।

19.4 भारत में स्थानीय शासन

भारत में स्थानीय शासन के तीन स्तर हैं– केन्द्र स्तर, राज्य-स्तर और स्थानीय-स्तर। केन्द्र सरकार पूरे देश पर शासन करती है। केन्द्र सरकार के साथ-साथ भारत में 29 राज्य सरकारें हैं। शासन के इन दोनों स्तरों के बीच संविधान द्वारा शक्तियाँ विभाजित की गई हैं। ऐसी व्यवस्था को संघीय प्रणाली कहा जाता है। हमारे देश में शासन के इन दो स्तरों के अलावा शासन का एक तीसरा स्तर भी पाया जाता है। इसे स्थानीय शासन कहा जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती राज व्यवस्था तथा शहरी क्षेत्रों में नगर निगम, नगर पालिका स्थानीय शासन के रूप हैं।

सन् 1992 में 73वें व 74वें संविधान संशोधन द्वारा स्थानीय शासन की संस्थाओं को संवैधानिक मान्यता प्रदान की गई। बड़े शहरों, महानगरों में नगर निगम तथा छोटे शहरों में नगर पालिकाएँ होती हैं। शहरों में बिजली, पानी, साफ-सफाई, शिक्षा, पार्कों का रख-रखाव जैसे कार्य इनके द्वारा किए जाते हैं।

पंचायती राज व्यवस्था का त्रिस्तरीय ढाँचा

73वें संविधान संशोधन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती राज व्यवस्था का त्रिस्तरीय ढाँचा स्थापित किया गया।

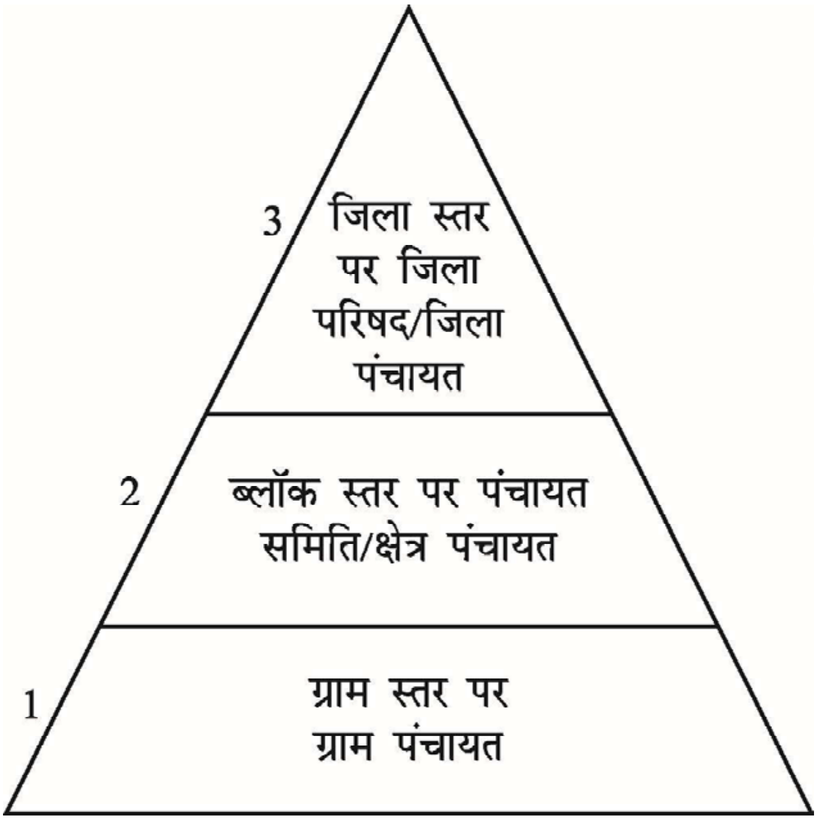

ग्राम सभा पंचायती राज व्यवस्था की सबसे निचली इकाई है। एक ग्राम पंचायत क्षेत्र में रहने वाले सभी वयस्क स्त्री-पुरुषों से मिलकर ग्राम सभा बनती है। ग्राम सभा के द्वारा ग्राम पंचायत के सदस्यों का चुनाव

किया जाता है। इसके अलावा ग्राम सभा ग्राम पंचायत के काम–काज तथा उसके वित्त पर भी नियंत्रण रखती है। पंचायती राज व्यवस्था जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करती है।

ग्राम पंचायत

पंचायतों के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर अनेक कार्य किए जाते हैं, जैसे– पानी का इंतजाम, रास्तों की मरम्मत, स्ट्रीट लाइट, बिजली की व्यवस्था, सामुदायिक भवन या पंचायत घर का निर्माण आदि। इसके अलावा केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा चलाई जाने वाली रोजगार और विकास की योजनाएँ भी ग्राम–स्तर पर ग्राम पंचायत के माध्यम से लागू होती हैं। ग्राम पंचायत कुछ कर भी वसूल कर सकती है, जैसे– मेलों, पशु–मेलों, वाहनों आदि पर कर। इसके अलावा ग्राम पंचायत सामुदायिक भवन को समय–समय पर किराए पर भी दे सकती है। केन्द्र और राज्य सरकारों से मिलने वाला अनुदान ग्राम पंचायतों की आय का मुख्य साधन है।

क्षेत्र पंचायत

क्षेत्र पंचायत या पंचायत समिति– यह पंचायती राज व्यवस्था का मध्य स्तर का संगठन है। यह समिति ब्लॉक स्तर पर होती है। यह गाँवों में पेयजल, उन्नत बीज, गाँवों को जोड़ने वाली सड़कों का विकास, पशुओं की नस्ल सुधारने जैसे कार्य करती है। विकास खण्ड के अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों के सभी ग्राम प्रधान इसके पदेन सदस्य होते हैं।

जिला परिषद या जिला पंचायत

यह पंचायती राज व्यवस्था की शीर्ष संस्था है। पंचायत समिति/क्षेत्र पंचायतों के अध्यक्ष तथा कुछ मनोनीत सदस्य भी जिला पंचायत के सदस्य होते हैं। जिला पंचायत पूरे जिले के विकास कार्यों का नियंत्रण और निरीक्षण करती है। जिले में सिंचाई सुविधा, कुटीर उद्योग, डेयरी, विद्यालय खुलवाने से संबंधित कार्य जिला पंचायत द्वारा किए जाते हैं। कुछ करों की वसूली के अलावा क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत दोनों की ही आय का मुख्य स्रोत केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा दिया जाने वाला अनुदान है।

पाठगत प्रश्न 19.3

1. **सही मिलान कीजिए–**

	(क)		(ख)
(अ)	दिल्ली	(i)	ग्राम पंचायत
(ब)	जिला	(ii)	पंचायत समिति
(स)	ब्लॉक	(iii)	जिला परिषद / जिला पंचायत
(द)	गाँव	(iv)	नगर निगम

2. ग्राम सभा के सदस्य कौन होते हैं?

....

3. क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत की आय का मुख्य स्रोत क्या है?

....

आपने क्या सीखा

- लोकतंत्र एक लोकप्रिय शासन प्रणाली है।
- लोकतंत्र को सामान्यतः जनता का, जनता के द्वारा, जनता के लिए शासन के रूप में परिभाषित किया जाता है।
- प्रतिनिधिक/अप्रत्यक्ष लोकतंत्र में जनता के नाम पर जनता के प्रतिनिधि शासन करते हैं।
- भारत में संसदीय लोकतंत्र की स्थापना की गई है।
- लोकतंत्र स्वतंत्रता, समानता, न्याय व भाईचारे को बढ़ावा देता है।
- लोकतंत्र के कुछ आधारभूत तत्त्व हैं, जिनके बिना हम लोकतंत्र की कल्पना नहीं कर सकते हैं। ये तत्त्व हैं–

  ⇒ संविधान व विधि का शासन

  ⇒ मौलिक अधिकार – भारत का संविधान नागरिकों को छः मौलिक अधिकार प्रदान करता है।

  ⇒ सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार – बिना भेदभाव के मतदान का अधिकार।

  ⇒ राजनीतिक दल – भारत में बहुदलीय प्रणाली को अपनाया गया है।

  ⇒ संविधान द्वारा स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग की व्यवस्था की गई है।

  ⇒ संचार माध्यम व मीडिया – स्वतंत्र और निष्पक्ष मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ माना जाता है।
- मिली–जुली और गठबंधन सरकार – बहुदलीय प्रणाली में किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत न मिलने की स्थिति में दो या उससे अधिक दलों द्वारा मिलकर बनाई गई सरकार को गठबंधन सरकार कहा जाता है।
- स्थानीय स्वशासन – शहरी क्षेत्रों में नगर निगम व नगर पालिका तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती राज व्यवस्था का त्रिस्तरीय ढाँचा स्थानीय स्वशासन कहलाता है।

पाठांत प्रश्न

1. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए–

(क) .... विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। (पाकिस्तान / भारत / नेपाल)

(ख) आधुनिक लोकतंत्र सबसे पहले .... में शुरू हुआ।
(अमेरिका / आस्ट्रेलिया / ब्रिटेन)

(ग) भारत में मतदान के लिए कम से कम .... वर्ष की आयु निश्चित की गई है। (20 / 21 / 18)

(घ) लोकसभा में 543 सीटों पर चुनाव हुआ। सरकार बनाने के लिए किसी दल के पास कम से कम .... सीटें होनी चाहिए। (250 / 300 / 272)

(च) 73वें संविधान संशोधन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में .... पंचायती राज व्यवस्था स्थापित की गई। (त्रिस्तरीय / द्विस्तरीय / एकल)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) नगर निगम किस तरह के शहरों में पाया जाता है?

....

(ख) प्रतिनिधिक लोकतंत्र के दो रूप बताइए।

....

(ग) पंचायती राज व्यवस्था की शीर्ष संस्था कौन सी है?

....

(घ) जब कुछ दल मिलकर सरकार का गठन करते हैं तो ऐसी सरकार को किस नाम से जाना जाता है?

....

3. लोकतंत्र के आधारभूत तत्त्वों का वर्णन कीजिए।

....

....

....

आइए, करके देखें

किसी एक सार्वजनिक विषय, घटना व समस्या पर किन्हीं चार राष्ट्रीय टी.वी. चैनलों में होने वाली बहस (Debate) को देखिए तथा उस पर विभिन्न राजनीतिक दलों, सम्बन्धित संगठनों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों को लिखिए। समाचार पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से आप उस पर और अधिक सूचनाएँ और विचार एकत्रित कर सकते हैं।

उत्तरमाला

पाठगत प्रश्न

19.1 1. (क) ✓

(ख) ✗

(ग) ✓

(घ) ✓

2. (क) संयुक्त राज्य अमेरिका।

(ख) संसदीय।

(ग) ब्रिटेन।

(घ) प्रधानमंत्री।

19.2 1. 18 वर्ष या उससे अधिक।

2. संविधान के आधार पर देश का शासन-प्रशासन चलाया जाता है। संविधान के बिना देश में अराजकता की स्थिति पैदा हो सकती है।

3. 1928 में

4. (क) भारतीय जनता पार्टी।

(ख) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस।

(ग) आम आदमी पार्टी।

(घ) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया) आदि। (कोई अन्य उपयुक्त)

19.3 1. (अ) दिल्ली महानगर — (iv) नगर निगम

(ब) जिला — (iii) जिला परिषद / जिला पंचायत

(स) ब्लॉक — (ii) पंचायत समिति

(द) गाँव — (i) ग्राम पंचायत

2. ग्राम पंचायत क्षेत्र में रहने वाले सभी वयस्क स्त्री-पुरुष।

3. कर और केन्द्र व राज्य सरकार से मिलने वाला अनुदान।

पाठांत प्रश्न

1. (क) भारत

(ख) ब्रिटेन

(ग) 18 वर्ष

(घ) 272

(च) त्रिस्तरीय

2. (क) बड़े शहरों / महानगरों में

(ख) संसदीय लोकतंत्र और अध्यक्षात्मक लोकतंत्र

(ग) जिला परिषद / जिला पंचायत

(घ) मिली-जुली सरकार या गठबंधन सरकार

20

हमारे बढ़ते कदम

आजादी के बाद हमारे देश ने हर क्षेत्र में तेजी से विकास किया है। कृषि, उद्योग, व्यापार, हस्त कौशल, टेक्नोलॉजी, शिक्षा, खेलकूद, साहित्य, संगीत सभी में हमने अपनी पहचान बनाई है लेकिन विकास के इस दौर में अभी हमें और तेजी से आगे बढ़ना है। विकास की गति और तेज करने के लिए सरकार हर क्षेत्र में नई-नई योजनाएँ बनाकर उन्हें लागू कर रही है। सुधार के नए-नए कार्यक्रम ला रही है। विकास की योजनाओं और कार्यक्रमों को अभियान का रूप दिया जा रहा है। इस पाठ में हम ऐसे ही चार प्रमुख कार्यक्रमों के बारे में जानेंगे। ये चार कार्यक्रम हैं- कुशल भारत (स्किल इंडिया), डिजिटल भारत (डिजिटल इंडिया) स्वच्छ भारत और स्वच्छ गंगा।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद आप :

- कुशल भारत कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में बता सकेंगे;
- कुशल भारत कार्यक्रम के लाभों को स्पष्ट कर सकेंगे;
- डिजिटल भारत कार्यक्रम के उद्देश्य बता सकेंगे;
- स्वच्छता का महत्त्व स्पष्ट कर सकेंगे;
- स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों के बारे में बता सकेंगे;
- स्वच्छ गंगा अभियान के उद्देश्य स्पष्ट कर सकेंगे और
- गंगा के धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक महत्त्व के बारे में समझा सकेंगे।

20.1 कुशल भारत कार्यक्रम

किसी भी देश के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए जरूरी है कि देश का हर नागरिक अपने कार्य में कुशल हो मतलब यह है कि अपना काम ठीक ढंग से कर सके। यदि ऐसा नहीं है तो विकास की गति धीमी ही रहेगी। खासकर रोजगार से जुड़े कामों में कुशल होना और भी ज्यादा जरूरी है। कुशल हम किसे कहेंगे। कुशल वह है, जो अपने काम से संबंधित हर छोटी-बड़ी जानकारी रखता हो। अपने काम को तय समय में बिना किसी गलती के पूरा कर सके। अपने काम में समय और ग्राहकों की माँग व पसंद को देखते हुए नए-नए बदलाव ला सके, नए प्रयोग कर सके। अपने काम से संबंधित नई-नई तकनीकों को अपना सके।

रोजगार और कौशल में सबसे अधिक सफलता युवा पीढ़ी पर निर्भर करती है। इस मामले में हमारा देश अच्छी स्थिति में है। हमारे देश की आबादी का एक बड़ा हिस्सा 25 वर्ष से कम आयु का है। इस पीढ़ी को कुशल बनाना और रोजी-रोटी से जोड़ना 'कुशल भारत कार्यक्रम' का मुख्य उद्देश्य है। सरकार ने 15 जुलाई, 2015 को कुशल भारत कार्यक्रम की शुरुआत की। आइए, इस कार्यक्रम के मुख्य उदेश्यों के बारे में जानें।

चित्र 20.1 : कुशल भारत कार्यक्रम

कुशल भारत कार्यक्रम के उद्देश्य

- भारत के युवाओं को उन क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करना, जो अभी तक अविकसित हैं।
- रोजी-रोटी के नए-नए क्षेत्रों की पहचान करके उन्हें विकसित करना।
- गरीब युवाओं में पैसे कमाने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास पैदा करना।

- गरीबी के कारण जो बच्चे उच्च शिक्षा नहीं प्राप्त कर पाते, उनके अंदर छिपे कौशल को विकसित करना ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।
- योजनाबद्ध तरीके से गरीब युवाओं को संगठित करके उनके कौशल को प्रशिक्षण देकर निखारना और उन्हें रोजगार के योग्य बनाना।
- देश के युवाओं को कौशल विकास के प्रशिक्षण देकर अपने देश के साथ-साथ दूसरे देशों में भी रोजगार प्राप्त करने के योग्य बनाना।
- देश के तमाम युवा घर-परिवार में चले आ रहे काम को परम्परागत रूप से जानते हैं, जैसे- गाड़ी चलाना, कपड़े सिलना, बाल काटना, मिट्‌टी के खिलौने व बर्तन बनाना, दोने-पत्तल बनाना, लकड़ी का काम करना, माली आदि का काम। इन कौशलों में उन्हें प्रशिक्षण देकर और अधिक निखारना तथा प्रमाण-पत्र देकर उनको कौशलों को मान्यता प्रदान करना।

इस तरह देखा जाए तो 'कुशल भारत कार्यक्रम' का मुख्य उद्‌देश्य भारत के युवा वर्ग को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। इस योजना को सफल बनाने में सभी सरकारी, गैर सरकारी, निजी तथा शैक्षिक संस्थाएँ मिलकर काम करेंगी।

कुशल भारत कार्यक्रम से होने वाले लाभ

- इस योजना से भारत में बेरोजगारी की समस्या दूर होगी।
- जो युवा परम्परागत कौशलों में दक्ष हैं परन्तु उनके पास कोई प्रमाण पत्र नहीं है, उन्हें प्रशिक्षण और प्रमाण पत्र मिल सकेगा। इससे उनके कौशल को मान्यता मिलेगी और वे अपने देश में व देश के बाहर भी रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।
- देश के युवा आत्मनिर्भर होंगे, रोजगार से जुड़े होंगे तो उनकी श्रम-शक्ति का देश के विकास में सार्थक उपयोग हो सकेगा। इससे उनमें भटकाव कम होगा और अपराधों में कमी आएगी।
- इससे प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी और जीवन-स्तर में सुधार होगा।
- भारत में गरीबी कम होगी और विकास की गति बढ़ेगी।

पाठगत प्रश्न 20.1

1. रोजगार और कौशल में सबसे अधिक सफलता किस पर निर्भर करती है?

....

2. कुशल भारत कार्यक्रम की शुरुआत कब की गई?

....

3. देश के युवा आत्मनिर्भर होंगे और रोजगार से जुड़े होंगे तो किसमें कमी आएगी?

....

20.2 डिजिटल भारत कार्यक्रम

डिजिटल भारत का मतलब है, ऐसा भारत, जिसका हर नागरिक इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों से जुड़ा हो। इलैक्ट्रॉनिक माध्यम हैं- मोबाइल फोन, कम्प्यूटर, लैपटॉप, इंटरनेट आदि। सम्भवत: मोबाइल फोन का इस्तेमाल आप भी करते होंगे। आजकल के अधिकांश युवा स्मार्ट फोन का इस्तेमाल करते हैं। वे इंटरनेट के जरिए पूरी दुनिया से जुड़े रहते हैं। एक समय था, जब हम मोबाइल फोन के बारे में सोच भी नहीं सकते थे। केवल कुछ पैसे वाले लोगों के घरों, दफ्तरों और कम्पनियों में ही टेलीफोन हुआ करते थे। आज शहर ही नहीं, गाँवों में भी मोबाइल, फोन, कम्प्यूटर और इंटरनेट ने अपनी पहुँच बना ली है।

चित्र 20.2 डिजिटल इंडिया

विकास के इस दौर में इन इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों का महत्त्व बढ़ता जा रहा है। इनसे हमारा जीवन आसान और सुविधाजनक होता जा रहा है। इंटरनेट के माध्यम से पूरी दुनिया की खबर हमें पलक झपकते ही मिल जाती है। इंटरनेट पर कई तरह की सरकारी, गैर सरकारी विभागों की सूचनाएँ भी प्राप्त हो जाती हैं। कई तरह के कागजात भी इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। अपने खेतों की खसरा-खतौनी भी आप उस पर देख सकते हैं। ए.टी.एम. मशीन से कार्ड के माध्यम से जब चाहें, तब पैसे मिल जाते हैं। बैंक तक जाने की जरूरत नहीं पड़ती। घर बैठे कम्प्यूटर या स्मार्ट फोन से बस, रेल और हवाई जहाज़ के टिकट बुक हो जाते हैं। इंटरनेट के माध्यम से आप अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। कई तरह की नौकरियों और परीक्षाओं के फार्म भी इंटरनेट पर भरे जा रहे हैं।

इंटरनेट की इन्हीं उपयोगिताओं को देखते हुए सरकार इसका लाभ जन-जन तक पहुँचाना चाहती है। इसके लिए एक ऐसा कार्यक्रम तैयार किया गया है, जो भारत के हर नागरिक को डिजिटल कार्य प्रणाली, अर्थात्

इंटरनेट से जोड़ेगा। इस कार्यक्रम को 'डिजिटल भारत कार्यक्रम' का नाम दिया गया है। इसे डिजिटल इंडिया प्रोग्राम भी कहते हैं। यह कार्यक्रम 7 अगस्त, 2014 को शुरू किया गया। आइए, डिजिटल भारत कार्यक्रम के उद्देश्यों और कार्यों के बारे में विस्तार से जानें।

डिजिटल भारत कार्यक्रम के उद्देश्य और कार्य

- भारत का हर नागरिक, खासकर युवा और छात्रवर्ग इंटरनेट से जुड़े और उसका इस्तेमाल करे।
- सभी सरकारी विभागों के साथ-साथ गैर सरकारी विभागों और कार्यक्रमों की सभी सूचनाएँ और जानकारियाँ इंटरनेट पर उपलब्ध हों ताकि हर इच्छुक नागरिक जरूरत पड़ने पर उनके बारे में जान सके।
- सरकार के कार्यक्रम, योजनाएँ, नीतियाँ, आदेश, निर्देश, निर्णय आदि भी ऑनलाइन हों। किसी चीज का इंटरनेट पर होना 'ऑनलाइन' होना कहा जाता है।
- बैंकों से लेन-देन, खरीददारी, यात्रा, होटल, बिजली, पानी, गैस, बस, ट्रेन, हवाई जहाज, अस्पताल के बिलों का भुगतान कार्ड या माई-बैंकिंग के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सके।
- पूरे देश में मुफ्त वाई-फाई की सुविधा हो ताकि हर कोई कम्प्यूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन या टैबलेट के माध्यम से आसानी से इंटरनेट से जुड़ सके।
- कर्मचारियों को प्रशिक्षित करके इस योग्य बनाया जाए, कि वे सारी सूचनाएँ, आँकड़े और हिसाब-किताब आदि को डिजिटल कर सकें।
- हर गाँव में ई-सुविधा केन्द्र स्थापित किए जाएँ, जहाँ से भी सेवाएँ या सुविधाएँ एक ही जगह पर लोगों को उपलब्ध हो सकें। सेवाओं और सुविधाओं से मतलब है कि किसी को कोई फार्म भरना हो, प्रार्थना पत्र देना हो, शिकायत करनी हो या कोई सूचना निकालनी हो तो उस सुविधा केन्द्र पर उसका काम हो जाए।
- सभी बैंक खाते भी इंटरनेट सुविधा से जुड़े हों, जिससे किसी भी प्रकार का अनुदान, राहत, छात्रवृत्ति, मजदूरी और पेंशन आदि की धनराशि सीधे बैंक खाते में भेजी जा सके।
- दूर रहकर पढ़ाई कर रहे छात्रों को ई-वोटिंग की सुविधा दी जाए। ई-वोटिंग का मतलब है, वे जहाँ हैं, वहीं से चुनाव में ऑनलाइन मतदान कर सकें।
- सभी भारतीय नागरिकों को एक भारतीय नागरिक पहचान पत्र (आई.सी.आई.सी.) दिया जाए जिसमें उस नागरिक की सभी जानकारियाँ, जैसे- जन्मतिथि, शिक्षा, योग्यता, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, पासपोर्ट, गैस, बिजली, टेलीफोन कनेक्शन, बैंक खाता, बीमा, गाड़ी आदि का सारा विवरण डिजिटल रूप में मौजूद हो। इससे कम्प्यूटर पर आई.सी.आई.सी. नम्बर डालते ही उस नागरिक का सम्पूर्ण विवरण एक साथ सामने आ जाएगा।

- डिजिटल भारत कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए काफी संख्या में इस काम में कुशल युवाओं की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए युवाओं को 'कौशल विकास कार्यक्रम' से जोड़कर प्रशिक्षित किया जाएगा।

चित्र 20.3 : डिजिटल इंडिया

डिजिटल भारत कार्यक्रम से लाभ

- सभी सूचनाएँ, जानकारियाँ ऑनलाइन उपलब्ध होने से इसके लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा।
- ई-सुविधा केन्द्र पर सभी सेवाएँ उपलब्ध हो जाने से भ्रष्टाचार में कमी आएगी। नागरिक जगह-जगह रिश्वत देने और शोषण से राहत पा सकेंगे।
- सभी तरह के लेन-देन ऑनलाइन होने से बैंक, कार्यालय, टिकट खिड़की आदि के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इससे समय की बचत होगी। हर समय, हर काम के लिए नकदी लेकर नहीं चलना पड़ेगा।

- इंटरनेट से जुड़ने के बाद नई से नई जानकारियाँ भी उपलब्ध रहेंगी। सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों, नीतियों और निर्णयों की जानकारी भी समय-समय पर मिलती रहेगी। इससे जागरूकता बढ़ेगी और लोग अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहेंगे।
- मुफ्त वाई-फाई सुविधा मिलने से इंटरनेट चलाने के लिए पैसे नहीं खर्च करने पड़ेंगे।
- सभी काम डिजिटल हो जाने से कागज की खपत काफी कम हो जाएगी। इससे पेड़ों का कटान भी कम होगा।
- अनुदान, राहत, छात्रवृत्ति, मजदूरी और पेंशन आदि की धनराशि सीधे खाते में आने से कालाबाजारी और रिश्वतखोरी में कमी आएगी।
- भारतीय नागरिक पहचान पत्र या पहचान नम्बर में सभी विवरण दर्ज होने से कई तरह के कागज साथ लेकर नहीं चलना पड़ेगा।
- ई-वोटिंग की सुविधा मिलने से वे भी अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे, जो चुनाव के समय दूर रह रहे हैं।
- डिजिटल भारत कार्यक्रम में काफी संख्या में युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध होगा। इससे बेरोजगारी की समस्या कम होगी।

पाठगत प्रश्न 20.2

1. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए–

(क) डिजिटल भारत का मतलब है ऐसा भारत, जिसका हर नागरिक .... माध्यमों से जुड़ा हो। (इलैक्ट्रिक / इलैक्ट्रॉनिक)

(ख) किसी चीज का .... पर होना आनलाइन होना कहा जाता है। (इंटरनेट / रजिस्ट्रार)

(ग) डिजिटल भारत कार्यक्रम 7 ...., 2014 को शुरू किया गया। (अक्टूबर / अगस्त)

(घ) सभी काम डिजिटल हो जाने से .... की खपत काफी कम हो जाएगी। (कागज / दिमाग)

20.3 स्वच्छ भारत अभियान

ऐसा कौन होगा, जो स्वच्छता का महत्त्व न समझता हो। फिर भी हम स्वच्छता के प्रति जागरूक नहीं हैं। आइए, अपने आस-पास के कुछ दृश्यों पर गौर करें-

- गली-कूचे, सड़क, पार्क सभी जगह कूड़ा-कचरा, पन्नी, जूठन, दोना-पत्तल आदि बिखरे हुए दिखाई पड़ते हैं।
- नालियाँ भरी हुई बजबजाती रहती हैं। नालियों का पानी गलियों में बहता है। उसी में से होकर लोग आते-जाते हैं।
- लोग पान, तम्बाकू, गुटखा खाकर जहाँ-तहाँ थूक देते हैं।
- नालियाँ, नाले, कूड़ा-करकट और पन्नियों से पटे पड़े हैं।
- नदियों के घाटों और तटों पर भी गंदगी ही गंदगी दिखाई पड़ती है।
- बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी गंदगी की भरमार दिखाई पड़ती है।
- आज भी तमाम लोग लोटा लेकर खुले में शौच जाते है।

चित्र 20.4 : स्वच्छ भारत अभियान

इन सभी बातों पर गौर करें। इस गंदगी का जिम्मेदार कौन है? क्या यह शर्म की बात नहीं है? निश्चय ही गंदगी के लिए कहीं न कहीं हम सब जिम्मेदार हैं। स्वच्छता और स्वास्थ्य में बहुत गहरा सम्बन्ध है। गंदगी में तमाम तरह की बीमारियों के कीटाणु पनपते हैं। जहाँ स्वच्छता है, वहाँ स्वास्थ्य है। स्वच्छ स्थान सुंदर भी लगता है।

सुंदरता और स्वास्थ्य के इस मेल को बनाए रखने के लिए सरकार ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के राजघाट पर 2 अक्टूबर, 2014 को स्वयं झाड़ू लगाकर की थी। यहाँ सोचने की बात यह है कि प्रधानमंत्री ने इस अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर को ही क्यों की? वह भी राजघाट पर क्यों की?

आप जानते हैं कि 2 अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का जन्मदिन है। राजघाट पर गांधी जी की समाधि है। गांधी जी स्वच्छता के बहुत बड़े पक्षधर थे। वे जहाँ-तहाँ फैली गंदगी को देखकर हमेशा चिंतित रहते थे। स्वच्छ, सुन्दर और स्वस्थ भारत उनका सपना था। उन्होंने स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने का

हमेशा प्रयास किया। इस अभियान के सभी उद्देश्यों को 2 अक्टूबर, 2019 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह गांधी जी का 150वाँ जन्मदिन होगा। इस 150वें जन्मदिन तक यदि हम स्वच्छ भारत का अभियान पूरा कर लेते हैं तो यह हमारी महात्मा गांधी के प्रति सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी।

'स्वच्छ भारत अभियान' का लोगो भी गांधी जी के चश्मे से बनाया गया है। यह लोगो हमें गांधी जी की याद दिलाता है और स्वच्छता के प्रति प्रेरित करता है। आइए, स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्यों और कामों को समझें।

चित्र 20.5 : स्वच्छ भारत अभियान में सहभागिता

स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्य और कार्य

- भारत में खुले में शौच करने की आदत को जड़ से खत्म करना।
- हाथ से मल साफ करने की व्यवस्था को हटाना। ऐसे सभी शौचालयों को पानी से बहाने वाले शौचालयों में बदलना।
- स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करके उनकी सोच में बदलाव लाना।
- लोगों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति सचेत करना।
- स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता के कार्यक्रम आयोजित करना।
- शहरी कूड़ा-करकट और मल निपटान के लिए शहरी-स्थानीय निकायों को मजबूत करना।
- स्वच्छता अभियान के प्रचार-प्रसार और जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार माध्यमों, जैसे- अखबार, टी.वी. एवं सोशल मीडिया आदि का इस्तेमाल करना।

- स्वच्छ भारत के उद्देश्यों को पूरा करने और अभियान को गति देने के लिए स्कूलों, कॉलेजों, स्वयंसेवी संस्थाओं और औद्योगिक घरानों का सहयोग लेना।

हमारी जिम्मेदारी

स्वच्छ भारत अभियान केवल सरकार का अभियान नहीं है। यह जन-जन का अभियान है। यह हमारे रोजमर्रा के जीवन, स्वास्थ्य और खुशहाली से जुड़ा है। यह हमारी आदतों में सुधार लाने का अभियान है। यह अभियान तभी सफल होगा, जब हम अपनी जिम्मेदारियों को समझेंगे। अपनी आदतों को बदलेंगे। आइए देखें, हम स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने के लिए क्या कर सकते हैं-

- शौच के लिए हमेशा शौचालय का प्रयोग करें। खुले में शौच जाने से तौबा करें।
- अपने घरों में शौचालय जरूर बनवाएँ। घर बनवाने की योजना बनाते समय शौचालय को भी ध्यान में रखें।
- कूड़ा-करकट और गंदगी कहीं भी इधर-उधर न फेंकें। कूड़ा-करकट सही जगह पर ही डालें।
- न गंदगी खुद फैलाएँ, न किसी को फैलाने दें।
- जहाँ कहीं भी गंदगी देखें, वहाँ सफाई करने का प्रयास करें। गंदगी फैलाने वाले लोगों को तुरंत टोकें और उन्हें उनकी गलती का एहसास कराएँ।
- अपने बच्चों को स्वास्थ्य और स्वच्छता का महत्त्व समझाएँ।
- स्वच्छता की आदत को अपनी जीवन शैली का हिस्सा बनाएँ।

पाठगत प्रश्न 20.3

1. आज भी तमाम लोग शौच के लिए कहाँ जाते हैं?

    (क) गड्ढे में (ख) पानी में

    (ग) खुले में (घ) स्नानघर में

2. स्वच्छता का किससे बहुत गहरा सम्बन्ध है?

    (क) मैदान से (ख) स्वास्थ्य से

    (ग) मनोरंजन से (घ) जानवरों से

3. गांधी जी की समाधि कहाँ है?

    (क) गंगा तट पर (ख) इंडिया गेट पर

    (ग) रामलीला मैदान पर (घ) राजघाट पर

20.4 स्वच्छ गंगा अभियान

भारतवर्ष में शायद ही कोई ऐसा हो, जो गंगा नदी के बारे में कुछ न जानता हो। हमारे देश के लिए गंगा का सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और आर्थिक महत्त्व इतना है कि इसे इस देश की 'जीवन रेखा' कहा जाता है। गंगा के विशाल मैदान की मिट्टी अत्यंत उपजाऊ है। इस पर होने वाली खेती से करोड़ों लोगों का पेट भरता है। गंगा हमारे देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान है। यह लाखों लोगों को रोजी-रोटी देती है। गंगा नदी को 'राष्ट्रीय नदी' का दर्जा दिया गया है। इसे हम गंगा माँ कहते हैं। इसके साथ करोड़ों भारतीयों की आस्था, विश्वास और धार्मिक व आध्यात्मिक भावनाएँ जुड़ी हुई हैं। आइए, गंगा के बारे में कुछ और जानें।

गंगा नदी की प्रमुख विशेषताएँ

- गंगा नदी हिमालय के गंगोत्री हिमनद से निकलती है। हिमनद यानी बर्फ की नदी। हिमनद को ग्लेशियर भी कहते हैं। उत्तराखंड राज्य में गंगोत्री के पास गोमुख नामक स्थान पर यह नदी प्रकट होती है। अतः गंगा का उद्गम गोमुख से ही माना जाता है।
- गोमुख से निकली धारा भागीरथी के नाम से जानी जाती है। आगे चलकर देवप्रयाग में भागीरथी में अलकनंदा का संगम होता है। यहाँ से भागीरथी का नाम गंगा हो जाता है।
- गंगा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से होते हुए बंगाल की खाड़ी में सागर से मिल जाती है। जहाँ गंगा सागर से मिलती है, उस स्थान को 'गंगासागर' कहते हैं।
- भारतवर्ष में गंगा की कुल लम्बाई 2071 किलोमीटर है।
- गंगा गोमुख से लेकर गंगासागर तक 53 जिलों के 253 ब्लॉकों से होकर गुरजती है। गंगा के किनारे 1657 ग्राम पंचायतें स्थित हैं।
- गंगा के किनारे जंगली क्षेत्रों में तमाम प्रकार के वन्य जीव और जड़ी-बूटियाँ पाई जाती हैं।
- गंगा के अंदर मछली, घड़ियाल, डॉल्फिन आदि अनेक प्रकार के जलचर पाए जाते हैं।
- गंगा के किनारे ऋषिकेश, हरिद्वार, इलाहाबाद, वाराणसी जैसे कई धार्मिक तीर्थ स्थल बसे हुए हैं।
- हरिद्वार और इलाहाबाद में महाकुंभ और अर्धकुंभ के मेले लगते हैं। इलाहाबाद में गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम होता है। तीन नदियों के मिलने के कारण उस स्थान को 'त्रिवेणी' कहते हैं।
- गंगाजल को पवित्र और शुद्ध माना जाता है। शुद्ध गंगाजल भरकर रखने से बहुत दिनों तक खराब नहीं होता। शुद्ध गंगाजल स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभप्रद है।
- गंगा नदी में उत्तर की ओर से यमुना, रामगंगा, घाघरा, ताप्ती, गंडक, कोसी नदियाँ आकर मिलती हैं। इसमें दक्षिण के पठार से आकर मिलने वाली नदियाँ चंबल, सोन, बेतवा, केन और दक्षिणी टोंस आदि हैं।
- गंगा अति प्राचीन नदी है। वेदों, पुराणों जैसे प्राचीन धर्मग्रंथों में भी इसका उल्लेख मिलता है।

इस तरह देखें तो गंगा हमारे जीवन और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है परन्तु इधर कुछ वर्षों से बढ़ते प्रदूषण के कारण गंगा का अस्तित्व खतरे में पड़ता जा रहा है। अमृत के समान पवित्र गंगाजल में विषैले तत्त्व बढ़ रहे हैं। यह चिन्ता का विषय है। इसी चिन्ता को ध्यान में रखते हुए सरकार ने 'स्वच्छ गंगा अभियान' शुरू किया है। यह अभियान नमामि गंगे, निर्मल गंगा और स्वच्छ गंगा आदि कई नामों से जाना जाता है। इस अभियान की औपचारिक शुरुआत सरकार द्वारा 30 जनवरी, 2016 को की गई।

कैसे बढ़ रहा है गंगा में प्रदूषण

- गंगा में लोग कागज, दोना, पत्तल, पन्नी, जूठन, छिलके आदि कूड़ा-कचरा बहा देते हैं।
- गंगा के जल में पूजन सामग्री, राख, बासी फूल, मूर्तियाँ आदि प्रवाहित किए जाते हैं।
- गंगा के पानी में साबुन से कपड़े धोने, जानवरों को नहलाने और शवों को बहाने से भी प्रदूषण फैल रहा है।
- गंगा तट के आस-पास बसे गाँवों के अधिकांश लोग शौच के लिए गंगा के किनारे जाते हैं।
- रोज लाखों लीटर मल-मूत्र और शहरों का गंदा पानी गंगा में ही बहा दिया जाता है।
- गंगा के किनारे लगे कारखानों का लाखों लीटर विषैला कचरा गंगा में बिना शोधित किए प्रतिदिन बहाया जा रहा है।

गंगा को हम पवित्र मानते हैं। माँ का दर्जा देते हैं। पूजा-अर्चना करते हैं, फिर भी उसकी स्वच्छता के प्रति गंभीर नहीं हैं। स्वच्छता और पवित्रता में गहरा संबंध है। स्वच्छता के बिना तो पवित्रता की कल्पना ही नहीं की जा सकती। गंगा की पवित्रता को यदि बनाए रखना है तो उसे गंदगी और प्रदूषण से हर हाल में बचाना होगा। स्वच्छ गंगा अभियान का मुख्य उद्‌देश्य भी यही है कि गंगा के तट और घाट स्वच्छ रहें। गंगा में गंदगी न बहाई जाए ताकि सदियों से अविरल बहती आई निर्मल गंगा प्रदूषित न हो।

स्वच्छ गंगा अभियान केवल सरकारी अभियान नहीं है, यह सबका अभियान है। जन-जन का अभियान है। इसमें सबकी सहभागिता जरूरी है। आइए देखें, गंगा को स्वच्छ बनाए रखने के लिए हम क्या कर सकते हैं।

हमारी जिम्मेदारी

- गंगा के महत्त्व को समझें। उसके संरक्षण और स्वच्छता के प्रति गंभीर बनें।
- किसी भी प्रकार से गंगा को गंदा या प्रदूषित करने में सहभागी न बनें।
- न खुद किसी तरह की गंदगी गंगा में बहाएँ, न किसी को बहाने दें।
- घर में शौचालय बनवाएँ, गंगा के किनारे मल-मूत्र करके गंदगी न फैलाएँ।
- गंगा के तट पर या घाट पर किसी प्रकार की गंदगी फैली देखें, तो अपने साथियों के साथ मिलकर उसे साफ करने का प्रयास करें।

- गंगा की स्वच्छता के प्रति दूसरों को और घर के बच्चों को भी समझाएँ ताकि वे भी गंगा–स्वच्छता अभियान में अपना सहयोग दे सकें।

पाठगत प्रश्न 20.4

1. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए–

(क) देवप्रयाग से .... का नाम गंगा हो जाता है।

(अलकनंदा / भागीरथी / मंदाकिनी)

(ख) बढ़ते प्रदूषण के कारण गंगा का अस्तित्व .... में पड़ता जा रहा है।

(झगड़े / खटाई / खतरे)

(ग) स्वच्छता और .... में गहरा सम्बन्ध है। (पवित्रता / बीमारी / कानून)

(घ) गंगा की स्वच्छता और संरक्षण के प्रति .... बनें। (बीमार / योगी / गंभीर)

आपने क्या सीखा

- किसी भी देश के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए यह जरूरी है कि देश का हर नागरिक अपने कार्य में कुशल हो।
- सरकार ने युवावर्ग को कुशल बनाने और रोजी–रोटी से जोड़ने के लिए 'कुशल भारत कार्यक्रम' की शुरुआत की है। यह कार्यक्रम 15 जुलाई, 2015 को शुरू किया गया।
- इस कार्यक्रम के अंतर्गत उन युवाओं को प्रशिक्षित करके प्रमाणपत्र दिया जाएगा, जो घर–परिवार में चले आ रहे परम्परागत कामों में लगे हुए हैं ताकि उनके कौशल को मान्यता मिले। उन्हें अपने देश में और देश के बाहर रोजगार भी मिल सके।
- डिजिटल भारत का मतलब है, ऐसा भारत, जिसका हर नागरिक इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों से जुड़ा हो। इलैक्ट्रॉनिक माध्यम हैं- मोबाइल फोन, कम्प्यूटर, लैपटॉप, इंटरनेट आदि।
- सरकार ने देश के हर नागरिक को डिजिटल कार्य प्रणाली से जोड़ने के लिए 'डिजिटल भारत कार्यक्रम' शुरू किया है। यह कार्यक्रम 7 अगस्त, 2014 को शुरू किया गया।
- डिजिटल भारत कार्यक्रम में सभी सूचनाओं और जानकारियों को इंटरनेट के माध्यम से नागरिकों को उपलब्ध कराने की योजना है।
- इस कार्यक्रम के अंतर्गत हर गाँव में ई–सुविधा केन्द्र स्थापित किए जाएँगे, जहाँ पर सभी प्रकार की डिजिटल सेवाएँ नागरिकों को उपलब्ध होंगी।

- सभी बैंक खाते इंटरनेट सुविधा से जुड़े होंगे। किसी भी प्रकार का अनुदान, राहत, छात्रवृत्ति, मजदूरी और पेंशन आदि की धनराशि सीधे बैंक खाते में भेजी जाएगी।
- सभी प्रकार की सेवाएँ और सुविधाएँ डिजिटल हो जाने से भ्रष्टाचार में कमी आएगी। लोग शोषण और भाग-दौड़ से बच सकेंगे।
- 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरुआत 2 अक्टूबर, 2014 को प्रधानमंत्री द्वारा राजघाट से की गई। इस अभियान के उद्देश्यों को 2 अक्टूबर, 2019 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- स्वच्छ भारत अभियान केवल सरकारी अभियान नहीं है। यह जन-जन का अभियान है। भारत को स्वच्छ बनाने में सभी को अपनी जिम्मेदारी निभाना जरूरी है।
- स्वच्छ भारत अभियान का लोगो गांधी जी के चश्मे से बनाया गया है। यह लोगो गांधी जी की याद दिलाता है और हमें स्वच्छता के प्रति प्रेरित करता है।
- गंगा राष्ट्रीय नदी है। हिमालय के गंगोत्री हिमनद से निकलकर उत्तराखंड के गोमुख में प्रकट होती है।
- गंगा नदी उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों से होती हुई बंगाल की खाड़ी में सागर से मिल जाती है। जहाँ गंगा नदी सागर से मिलती है, उस स्थान को 'गंगासागर' कहते हैं।
- भारतवर्ष में गोमुख से लेकर गंगा सागर तक गंगा की कुल लम्बाई 2071 किलोमीटर है।
- गंगा के तट पर 53 जिले, 253 ब्लॉक और 1657 ग्राम पंचायतें स्थित हैं।
- गंगा के तट पर ऋषिकेश, हरिद्वार, इलाहाबाद, वाराणसी जैसे कई तीर्थस्थल बसे हुए हैं।
- हरिद्वार और इलाहाबाद में महाकुंभ और अर्धकुंभ के मेले लगते हैं। इलाहाबाद में गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम होता है। तीन नदियों के मिलने से उस स्थल को 'त्रिवेणी' कहते हैं।
- इधर कुछ वर्षों में बढ़ते प्रदूषण के कारण गंगा का अस्तित्व खतरे में पड़ता जा रहा है।
- गंगा को गंदगी और प्रदूषण से बचाने के लिए सरकार ने स्वच्छ गंगा अभियान शुरू किया है। इसकी औपचारिक शुरुआत 30 जनवरी, 2016 को की गई।
- स्वच्छ गंगा अभियान हम सबका अभियान है। गंगा को गंदगी और प्रदूषण से बचाना तथा स्वच्छ बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।

पाठांत प्रश्न

1. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-

(क) देश के युवा आत्मनिर्भर होंगे और रोजगार से जुड़े होंगे तो .... में कमी आएगी।

(खुशियों / अपराधों / खेलों)

(ख) मुफ्त .... की सुविधा मिलने से इंटरनेट चलाने के लिए पैसे नहीं खर्च करने पड़ेंगे। (दवाई / वाई-फाई / कमाई)

(ग) गंदगी में तमाम तरह की बीमारियों के .... पनपते हैं।

(पौधे / जीव-जन्तु / कीटाणु)

(घ) .... से भागीरथी का नाम गंगा हो जाता है।

(देवप्रयाग / रुद्रप्रयाग / हरिद्वार)

2. सही मिलान कीजिए–

रोजगार	गांधी जी
कम्प्यूटर	त्रिवेणी
2 अक्टूबर	कौशल
स्वच्छता	इंटरनेट
राष्ट्रीय नदी	पवित्रता
इलाहाबाद	गंगा

3. युवावर्ग को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना किस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है?

(क) डिजिटल भारत (ख) स्वच्छ भारत

(ग) कुशल भारत (घ) महान भारत

4. अनुदान, राहत, छात्रवृत्ति, मजदूरी और पेंशन की धनराशि सीधे कहाँ भेजी जाएगी?

(क) घर में (ख) बैंक खाते में

(ग) पुलिस थाने में (घ) मालखाने में

5. 2 अक्टूबर किसका जन्मदिन है?

(क) सुभाषचन्द्र बोस का (ख) भगतसिंह का

(ग) चन्द्रशेखर आजाद का (घ) महात्मा गांधी का

6. इलाहाबाद में गंगा, यमुना और सरस्वती के मिलने के स्थान को क्या कहते हैं?

(क) हरि की पौड़ी (ख) गंगा सागर

(ग) त्रिवेणी (घ) गंगोत्री

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) ऑनलाइन होना किसे कहते हैं?

....

(ख) स्वच्छ भारत अभियान का लोगो किससे बनाया गया है?

....

(ग) राष्ट्रीय नदी का दर्जा किसे दिया गया है?

....

(घ) गंगा सागर किस स्थान को कहते हैं?

....

8. गंगा में प्रदूषण किन कारणों से बढ़ रहा है?

....

....

....

....

....

आइए, करके देखें

- अपने आसपास गौर करें। ऐसे लोगों से मिलें, जो रोजी–रोटी के लिए अपने परम्परागत काम कर रहे हैं, जैसे– बढ़ई का काम, मिट्टी का काम, दोने–पत्तल बनाने का काम, बाल काटने का काम आदि। उनसे पूछें कि उनका धंधा कैसा चल रहा है। उनके धंधे में घटती आमदनी के क्या कारण हो सकते हैं। उन कारणों को दूर करने के लिए क्या किया जा सकता है।
- किसी साइबर कैफे, ई–सुविधा केन्द्र, लोकशिक्षा केन्द्र पर या किसी ऐसे व्यक्ति के पास जाएँ, जिसके पास कम्प्यूटर और इंटरनेट हो। उसके कम्प्यूटर पर देखें कि इंटरनेट पर क्या–क्या हो सकता है।
- अपनी कॉपी पर उन कारणों को लिखें, जिनसे जगह–जगह गंदगी फैलती है। फिर सोचें, इस गंदगी को रोकने के लिए आप क्या कर सकते हैं। उस पर अमल करने की कोशिश करें।

- किसी तीर्थ सान पर या गंगा के घाट पर जाएँ। वहाँ देखें, गंदगी कैसे फैल रही है। आप अपने साथियों के साथ कूड़ा-करकट बीनकर हटाएँ और अन्यों को भी प्रेरित करें।

उत्तरमाला

पाठगत प्रश्न

20.1 1. युवा वर्ग पर

2. 15 जुलाई, 2015 को

3. अपराधों में कमी आएगी।

20.2 1. (क) इलैक्ट्रॉनिक (ख) इंटरनेट

(ग) अगस्त (घ) कागज

20.3 1. खुले में

2. स्वास्थ्य से

3. राजघाट पर

20.4 1. (क) भागीरथी (ख) खतरे

(ग) पवित्रता (घ) गंभीर

पाठांत प्रश्न

1. (क) अपराधों (ख) वाई-फाई

(ग) कीटाणु (घ) देवप्रयाग

2. रोजगार - कौशल

कम्प्यूटर - इंटरनेट

2 अक्टूबर - गांधी जी

स्वच्छता - पवित्रता

राष्ट्रीय नदी - गंगा

इलाहाबाद - त्रिवेणी

3. कुशल भारत।

4. बैंक खाते में।

5. महात्मा गांधी का।

6. त्रिवेणी।

7. (क) किसी चीज का इंटरनेट पर होना।

   (ख) गांधी जी के चश्मे से।

   (ग) गंगा नदी को।

   (घ) जहाँ गंगा नदी बंगाल की खाड़ी में सागर से मिलती है।

8. स्वय कीजिए।

जाँचपत्र-4 (पाठ 16 से 20)

1. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए–

(क) राजशाही या राजतंत्र सबसे .... शासन प्रणाली है। (नई / पुरानी)

(ख) स्वतंत्रता के अधिकार में नागरिको को .... तरह की स्वतंत्रता दी गई है। (6/8)

(ग) राज्यपाल की नियुक्ति प्रधानमंत्री की सलाह से .... करता है। (राष्ट्रपति / उपराष्ट्रपति)

(घ) .... को आधुनिक लोकतंत्र की जननी कहा गया है। (ब्रिटेन / भारत)

(च) देवप्रयाग से .... का नाम गंगा हो जाता है। (भागीरथी / अलकनंदा)

2. सही वाक्य पर ✓ तथा गलत पर ✗ का निशान लगाइए–

(क) तानाशाही शासन प्रणाली में नागरिकों को कठोर अनुशासन में नहीं रखा जाता है। ( )

(ख) भारत एक लोक कल्याणकारी राज्य है। ( )

(ग) केवल जम्मू-कश्मीर विधानसभा की अवधि 6 वर्ष की है। ( )

(घ) संसदीय लोकतंत्र में कार्यपालिका, विधायिका के प्रति जवाबदेह होती है। ( )

(च) हरिद्वार में गंगा यमुना का संगम होता है। ( )

3. राज्य के लिए आवश्यक तत्त्व कौन से हैं?

(क) जनसंख्या (ख) निश्चित भूभाग

(ग) सम्प्रभुता और सरकार (घ) उपर्युक्त सभी

4. भारतीय संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष कौन थे?

(क) डॉ० भीमराव अम्बेडकर (ख) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

(ग) बी०एन० राव (घ) इनमें से कोई नहीं

5. किस अनुच्छेद के अनुसार प्रत्येक राज्य में विधान मंडल गठन किए जाने की व्यवस्था है।

(क) अनुच्छेद-370 (ख) अनुच्छेद-368

(ग) अनुच्छेद-168 (घ) उपर्युक्त सभी

6. जनता का, जनता के द्वारा, जनता के लिए शासन किसे कहा जाता है?

(क) राजतंत्र को (ख) लोकतंत्र को

(ग) तानाशाही को (घ) उपनिवेशवाद को

7. किसी चीज का इंटरनेट पर होना क्या कहलाता है?

(क) मनोरंजक होना (ख) कठिन होना

(ग) ऑनलाइन होना (घ) खतरनाक होना

8. सही मिलान कीजिए–

(क)	निरंकुश शासन	(i)	त्रिवेणी
(ख)	संविधान सभा का गठन	(ii)	तानाशाही
(ग)	राज्य विधानसभा में अधिकतम सदस्यों की संख्या	(iii)	1956 ई.
(घ)	अध्यक्षात्मक लोकतंत्र	(iv)	500
(च)	इलाहाबाद	(v)	अमेरिका

9. 2 अक्टूबर को किसका जन्मदिन पड़ता है?

....

10. भारतीय संविधान में नागरिकों को कौन-से मूल अधिकार दिए गए हैं?

....

....

....

....

उत्तरमाला

3. (घ) सभी
4. (ख) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
5. (ग) अनुच्छेद-168
6. (ख) लोकतंत्र को
7. (ग) ऑनलाइन होना

1.	(क) पुरानी	(ख) 6	(ग) राष्ट्रपति
	(घ) ब्रिटेन	(च) भागीरथी	
2.	(क) गलत	(ख) सही	(ग) सही
	(घ) सही	(च) गलत	
8.	(क) तानाशाही	(ख) 1946 ई.	(ग) 500
	(घ) अमेरिका	(च) त्रिवेणी	

9. महात्मा गाँधी का।
10. **मूल अधिकार :** समानता, स्वतंत्रता, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, संस्कृति और शिक्षा का अधिकार, संवैधानिक उपचारों का अधिकार।

मुक्त बेसिक शिक्षा पाठ्यक्रम
सामाजिक विज्ञान (C-102)
स्तर-'ग'

1. औचित्य

स्तर 'ख' में शिक्षार्थी ने 'पर्यावरण अध्ययन' के अन्तर्गत समाज, संस्कृति, समुदाय, लोक शासन-प्रशासन, सामान्य विज्ञान आदि विषयों का प्रारम्भिक ज्ञान प्राप्त किया था। अपने आयुगत ज्ञान में प्राप्त प्रारम्भिक ज्ञान का समावेश करते हुए अब उन्हें अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने की तैयारी करनी है। इसलिए प्रत्येक विषय पर और अधिक जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता है। आगे चलकर शिक्षार्थी चाहे औपचारिक शिक्षा की धारा में शामिल होना चाहें, अथवा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अपना अध्ययन जारी रखना चाहें, दोनों ही स्थितियों में उन्हें अपने प्राप्त ज्ञान को उस स्तर तक बढ़ाने की आवश्यकता होगी।

सामाजिक अध्ययन के स्तर 'ग' का यह पाठ्यक्रम इन्हीं आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें इतिहास, राजनीति शास्त्र, भूगोल व अर्थशास्त्र के पाठ दिए गए हैं। इन पाठों का अध्ययन करके शिक्षार्थी अपने देश के इतिहास को समझ सकेंगे, देश के भौगोलिक स्वरूप के बारे में अध्ययन करेंगे, देश के आर्थिक विकास को जान सकेंगे, ऊर्जा स्रोतों, कृषि व परिवहन तथा संचार के साधनों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे तथा देश के संविधान, सरकार, स्थानीय शासन के साथ-साथ संविधान में दिए गए अपने अधिकारों व देश के प्रति कर्त्तव्यों का बोध भी प्राप्त कर सकेंगे।

इसके अतिरिक्त, देश ने जो प्रगति की है तथा देश हित में जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, शिक्षार्थी उनकी भी एक झलक प्राप्त कर सकेंगे।

2. पूर्व अपेक्षाएँ

इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए शिक्षार्थी से यह अपेक्षा की जाती है कि वे मुक्त बेसिक शिक्षा के स्तर 'ख' का पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर चुके हों अथवा उस स्तर का ज्ञान रखते हों।

3. उद्देश्य

पाठ्यक्रम के सामान्य व विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार हैं–

3.1 सामान्य उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद शिक्षार्थी–

- अपने देश के समृद्ध अतीत को समझ सकेंगे।
- अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकेंगे तथा कर्त्तव्यों के निर्वहन के प्रति सजग हो सकेंगे।

- स्वतंत्रता आंदोलन के बारे में जानकर देश के प्रति अपना कर्त्तव्य निभाने के लिए अधिक जागरूक हो सकेंगे।
- सतत शिक्षाग्राही समाज का निर्माण करने की दिशा में अग्रसर हो सकेंगे।
- जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभा सकेंगे।
- नए कार्यक्रमों / अभियानों से जुड़कर देश को आगे बढ़ाने में अपना सक्रिय योगदान दे सकेंगे।
- आगे की पढ़ाई के लिए स्वयं को तैयार कर सकेंगे।

3.2 विशिष्ट उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद शिक्षार्थी–

- मानव सभ्यता के विकास के क्रम का अध्ययन कर सकेंगे।
- सिन्धु घाटी की सभ्यता के बारे में पता लगा सकेंगे।
- वैदिक सभ्यता, आर्यों के आगमन और वैदिक सभ्यता के बाद के जीवन के बारे में व्याख्या कर सकेंगे।
- देश के विभिन्न राजवंशों के समय के राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व आर्थिक स्थितियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- भारत के मध्ययुगीन इतिहास की व्याख्या कर सकेंगे।
- भारत में अंग्रेजों के आगमन, अंग्रेजी शासन व भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के बारे में व्याख्या कर सकेंगे।
- देश के भौगोलिक स्वरूपों का वर्णन कर सकेंगे।
- देश की प्राकृतिक सम्पदा व ऊर्जा के स्रोतों के बारे मे जान कर उनके संरक्षण की विधियों का प्रयोग कर सकेंगे।
- कृषि के विभिन्न प्रकारों के बारे में जान सकेंगे व कृषि से सम्बन्धित अन्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- देश के उद्योगों का इतिहास जान सकेंगे व उद्योगों के विभिन्न प्रकारों की भी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- यातायात व दूर संचार के साधनों के बारे में जान सकेंगे।
- जनसंख्या के विस्फोट व उसे नियंत्रित करने के उपायों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- आर्थिक जीवन के विभिन्न पक्षों की व्याख्या कर सकेंगे।
- शासन व्यवस्था के विभिन्न स्वरूपों के बारे में जान सकेंगे।

- भारतीय संविधान के अंतर्गत संसदीय लोकतंत्र की अवधारणा व उसके स्वरूप को समझा सकेंगे।
- त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था व नगरीय स्व-शासन के बारे में जानकारी प्राप्त कर उनसे जुड़ने के लिए प्रेरित हो सकेंगे।
- भारत सरकार की विभिन्न लाभदायी योजनाओं से परिचित हो सकेंगे।

4. पाठ्यक्रम का संक्षिप्त परिचय

प्रस्तुत पाठ्यक्रम को आसान भाषा में विकसित किया गया है तथा पाठों में विवरण व उदाहरण सामान्य जीवन से जुड़े हुए दिए गए हैं। यह पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से दिया जाएगा।

संपूर्ण पाठ्यक्रम को 20 पाठों में बाँटा गया है। प्रत्येक पाठ को विषय के अनुसार विभिन्न इकाइयों में बाँटा गया है। इससे शिक्षार्थी को पाठ पढ़ने में आसानी होगी। चूंकि इन पाठों का निर्माण दूरस्थ शिक्षा से होगा, अतः स्वमूल्यांकन हेतु अनेक तरीके पाठों में दिए जाएंगे।

5. पाठ्यक्रम संरचना

यह पाठ्यक्रम 100 घंटे का है। इसमें 21 पाठ हैं, जिनहें चार मॉड्यूल में बाँटा गया है।

क्र. सं.	मॉड्यूल	पाठ संख्या	समय (घंटे में)	अंक
1.	हमारी विरासत	0 से 8 तक	4 घंटे	4
2.	हमारा भारत	9 से 15	5 घंटे	5
3.	हमारी राजनीतिक व्यवस्था	16 से 19	5 घंटे	5
4.	हमारे बढ़ते कदम	20	5 घंटे	5
		20	**100**	**100**

प्रत्येक पाठ को अलग-अलग इकाइयों में बाँटा गया है, ताकि शिक्षार्थी को विषय को समझने में आसानी हो।

6. पाठ्यक्रम का विवरण

पाठ-0 : सामाजिक विज्ञान : एक परिचय

1. सामाजिक विज्ञान का अर्थ और इसके अध्ययन का महत्त्व।
2. इसमें शामिल विषय क्षेत्र।

पाठ–1 : मानव सभ्यता का विकास

1. आदि मानव–सामाजिक जीवन।
2. सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक मत और विश्वास।
3. सिन्धु घाटी सभ्यता।
4. नगरीय जीवन का विकास।
5. खेती का विकास मिश्रित कृषि।

पाठ–2 : वैदिक सभ्यता

1. आर्य और उनके प्रमुख ग्रंथ
2. वैदिक युग की सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक व्यवस्था।
3. रामायण और महाभारत कालीन वैदिक सभ्यता।

पाठ–3 : वैदिक सभ्यता के बाद का जीवन

1. नंद वंश, जनपद और महाजनपद– सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक व्यवस्था।
2. मौर्य साम्राज्य।

पाठ–4 : मौर्यों के बाद की सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक व्यवस्था

1. मौर्यों के बाद की सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक व्यवस्था– गुप्त साम्राज्य, कनिष्क।
2. अंतिम प्राचीन राजा– हर्षवर्धन।
3. दक्षिण के साम्राज्य– चोल, चेर, पाण्ड्य।

पाठ–5 : दिल्ली सल्तनत

1. अरबों का भारत आगमन तथा इस्लाम की शुरुआत
2. दिल्ली सल्तनत–गुलाम वंश की स्थापना; आर्थिक सुधार–कृषि, बाजार व्यवस्था, विकास के काम, कला व संस्कृति।

पाठ–6 : मुगल व उनके बाद

1. मुगलों का आगमन और मुगल साम्राज्य की स्थापना।
2. मुगलों की राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक उपलब्धियाँ और कला व संस्कृति।
3. मराठा साम्राज्य और मराठों के मुगलों से सम्बन्ध।
4. राजपूत इतिहास तथा राजपूतों के मुगलों से सम्बन्ध।

पाठ-7 : ब्रिटिश कंपनी

1. अंग्रेजों और ईस्ट इंडिया कम्पनी का भारत आगमन।
2. ब्रिटिश साम्राज्य का विकास– कृषि व्यापार, उद्योग-धंधों का विकास और समाज पर प्रभाव।
3. उन्नीसवीं सदी का जन जागरण काल– सामाजिक, शैक्षिक व धार्मिक सुधारों का प्रभाव।
4. ईस्ट इंडिया कंपनी की नीतियों में परिवर्तन।
5. 1857 का स्वतंत्रता संग्राम।

पाठ-8 : ब्रिटिश राज और स्वतंत्र भारत

1. ब्रिटिश शासन तंत्र में हुए परिवर्तन का प्रभाव।
2. राष्ट्रीय स्वतंत्रता आन्दोलन का प्रारम्भ और प्रभाव।
3. स्वतंत्रता के बाद भारत की स्थिति।

पाठ-9 : भूमण्डल के विभिन्न स्वरूप – हमारा भारत

1. पर्वत, पठार, मैदान का निर्माण।
2. ज्वालामुखी व भूकम्प।
3. भौगोलिक विविधता– उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम का क्षेत्र, मानसून, प्राकृतिक सम्पदा, मृदा के प्रकार व मृदा का संरक्षण, जल संसाधन–उपयोग व संरक्षण।
4. वन सम्पदा– उपयोगिता, वनों के विनाश का दुष्प्रभाव, वन संरक्षण की आवश्यकता, जैव-विविधता।

पाठ-10 : भारत में खनिज और ऊर्जा सम्पदा

1. लौह-सम्पदा व अलौह सम्पदा।
2. ऊर्जा के स्रोत– पारम्परिक (कोयला, पेट्रोलियम पदार्थ, परमाणु ऊर्जा) तथा गैर पारम्परिक (सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा)।

पाठ-11 : भारत में कृषि

1. कृषि के प्रकार– एकल खेती, मिश्रित खेती, सीढ़ीदार खेती, जीवन निर्वाह के लिए कृषि व वाणिज्यिक कृषि, रबी, खरीफ और जायद।
2. हमारी मुख्य फसलें– खाद्यान्न फसलें, नकद फसलें।
3. कृषि को प्रभावित करने वाले तत्त्व– अतिवृष्टि, ओला, पाला, अनावृष्टि आदि।

पाठ-12 : उद्योगों का विकास

1. उद्योग और उनके प्रकार।
2. प्राचीन काल से आधुनिक काल तक उद्योगों का विकास– लघु, कुटीर, मध्यम व भारी उद्योग।

पाठ-13 : आवागमन और दूर-संचार के साधन

1. सड़क, रेल, वायु व जल यातायात।
2. दूर संचार क्रांति।

पाठ-14 : जनसंख्या विस्फोट और जनसंख्या नियंत्रण

1. जनसंख्या विस्फोट– सामाजिक व आर्थिक प्रभाव।
2. जनसंख्या नियंत्रण– जन्मदर, मृत्युदर, लिंग अनुपात व उसके नियंत्रण के उपाय।

पाठ-15 : आर्थिक जीवन

1. आर्थिक जीवन और जरूरतें।
2. श्रम विभाजन।
3. आर्थिक विकास में महिलाओं की भागीदारी।
4. बाजारवादी अर्थव्यवस्था।

पाठ-16 : शासन-व्यवस्था के स्वरूप

1. सरकार की आवश्यकता और राज्य।
2. शासन व्यवस्था के प्रकार– राजशाही, तानाशाही, उपनिवेशवाद, लोकतांत्रिक व्यवस्था।

पाठ-17 : भारतीय संविधान

1. भारतीय संविधान के मूल तत्त्व।
2. मूल अधिकार व कर्त्तव्य।
3. संसदीय लोकतंत्र– विधायिका (संघटन और कार्य-प्रणाली), कार्यपालिका (राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व मंत्री परिषद)

पाठ-18 : राज्य सरकार

1. विधायिका (विधानसभा व विधान परिषद)– गठन, कार्य एवं शक्तियाँ।
2. कार्यपालिका (राज्यपाल, मुख्यमंत्री व मंत्रिपरिषद)– नियुक्ति, कार्य एवं शक्तियाँ।

पाठ-19 : लोकतंत्र और स्थानीय स्वशासन

1. लोकतंत्र की अवधारणा और स्वरूप।
2. लोकतंत्र के आधारभूत तत्त्व– संविधान, मौलिक अधिकार, वयस्क मताधिकार, राजनीतिक दल, निर्वाचन व्यवस्था, संचार माध्यम व मीडिया।
3. गठबंधन की सरकार।
4. स्थानीय स्वशासन– त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था, नगरीय शासन।

पाठ-20 : हमारे बढ़ते कदम

1. स्वच्छ भारत अभियान।
2. निर्मल गंगा।
3. स्किल इंडिया।
4. डिजिटल इंडिया।

7. अध्ययन-योजना

यह पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से दिया जाएगा। पाठ्यक्रम मूतल: स्वाध्याय पर आधारित है। इस बात को ध्यान में रखते हुए शिक्षार्थी के मानसिक स्तर को ध्यान में रखकर सामग्री तैयार की गई है। प्रत्येक पाठ के अन्त में अभ्यास के प्रश्न दिए गए हैं, ताकि शिक्षार्थी की धारण-क्षमता विकसित हो सके तथा, साथ ही, लिखने व विचार करने की क्षमता भी बढ़े।

शिक्षार्थियों के लिए अध्ययन केन्द्रों पर सम्पर्क-कक्षाओं का भी प्रावधान है। इन सम्पर्क-कक्षाओं में शिक्षार्थी अपनी विषय सम्बन्धी समस्याओं का समाधान पा सकेंगे। साथ ही, वहाँ पर अन्य शिक्षार्थियों से भी इन समस्याओं पर चर्चा कर सकेंगे। शिक्षार्थी साक्षरता केन्द्रों / प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों पर भी अपनी विषय-सम्बन्धी समस्याओं का समाधान पा सकेंगे।

8. मूल्यांकन-योजना

8.1 स्व-मूल्यांकन

पाठ्यक्रम में शिक्षार्थी अपना मूल्यांकन करते रहेंगे। इसके लिए हर पाँच पाठ के बाद एक जाँच पत्र दिया गया है। जाँच पत्र में उन्हीं चार पाठों से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गए हैं। शिक्षार्थी को इन प्रश्नों के उत्तर देने हैं। पुस्तक के अन्त में इन जाँच पत्रों के सही उत्तर दिए गए हैं। शिक्षार्थी अपने उत्तरों का सही उत्तरों से मिलान करके अपना मूल्यांकन करते रहेंगे। इस तरह पाठ्यक्रम में स्व-मूल्यांकन की पद्धति अपनाई गई है।

8.2 बाह्य-मूल्यांकन

पाठ्यक्रम पूरा करने के उपरांत शिक्षार्थी का बाह्य मूल्यांकन होगा। इसके लिए कुल 100 अंक निधारित किए गए हैं। प्रश्न पत्र तीन घंटे मिनट का होगा। इसमें पाठ आधारित प्रश्न होंगे। बोध पर आधारित प्रश्न भी होंगे। साथ ही, सामान्य समझ पर आधारित प्रश्न भी होंगे। प्रश्न वस्तुनिष्ठ, अति लघु उत्तरीय, लघु उत्तरीय और दीर्घ उत्तरीय होंगे।

नमूना प्रश्न पत्र
सामाजिक विज्ञान

अधिकतम अंक : 100 *समय : 3 घंटे*

निर्देश

- इस प्रश्न पत्र में कुल 26 प्रश्न हैं जो चार खंडों A, B, C, D में विभाजित हैं
- खंड A में प्रश्न संख्या-1 में (i) से (x) तक बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिसमें प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है। उत्तर के रूप में क, ख, ग तथा घ चार विकल्प दिए गए हैं जिसमें कोई एक सही है। आपको सही विकल्प चुनना है तथा अपनी उत्तर पुस्तिका में क, ख, ग, तथा घ में जो सही है, उसे उत्तर के रूप में लिखना है।
- खण्ड B में 2 से 11 तक अति लघुउत्तरीय प्रश्न हैं तथा प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं।
- खण्ड C में 12 से 21 तक अति लघुउत्तरीय प्रश्न हैं तथा प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।
- खण्ड D में 22 से 26 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं तथा प्रत्येक प्रश्न के लिए 6 अंक निर्धारित हैं।
- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड [A]

1. नीचे दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) सिंधु-सभ्यता में प्रयोग की जाने वाली धातु कौन-सी है?

(क) ताँबा (ख) काँसा

(ग) लोहा (घ) ताँबा और काँसा

(ii) सामवेद का गायन करने वाले का नाम बताएँ।

(क) होतृ (ख) उदगाता

(ग) राजा (घ) कोई नहीं

(iii) निम्न शासकों में कौन-सा एक शासक गुलाम वंश का शासक नहीं था?

(क) अकबर (ख) इल्तुतमिश

(ग) रजिया (घ) बलबन

(iv) निम्न में से अलौह खनिज की पहचान करें।

(क) हेमेटाइट (ख) मैग्नेटाइट

(ग) लिमोनाइट (घ) बॉक्साइट

(v) 1911 ई. की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या कितनी थी?

(क) 15 करोड़ (ख) 20 करोड़

(ग) 25.20 करोड़ (घ) 30 करोड़

(vi) भारतीय रेलवे की बड़ी रेलवे लाइन (ब्रॉड गेज) में पटरियों के बीच की दूरी कितनी होती है?

(क) 0.610 मीटर (ख) 0.762 मीटर

(ग) 1.676 मीटर (घ) 1 मीटर

(vii) भारतीय संसद में पाए जाने वाले सदन का नाम बताएँ।

(क) लोकसभा (ख) राज्यसभा

(ग) कोई नहीं (घ) लोकसभा और राज्यसभा दोनों

(viii) किस राज्य में विधानसभा और विधान परिषद दोनों मौजूद हैं।

(क) बिहार (ख) पंजाब

(ग) राजस्थान (घ) मणिपुर

(ix) शासन की संसदीय लोकतंत्र प्रणाली किस देश में है?

(क) सऊदी अरब (ख) अमेरिका

(ग) भारत (घ) चीन

(x) 2 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत प्रधानमंत्री ने किस स्थान से की?

(क) इंडिया गेट से (ख) संसद भवन से

(ग) राजघाट से (घ) लाल किला से

खण्ड [B]

2. सातवाहन वंश के किन्हीं दो शासकों के नाम लिखिए।
3. दिल्ली सल्तनत में बाजार व्यवस्था और मूल्य नियंत्रण की नीति अपनाने वाले शासक का नाम और वंश बताइए।
4. शाहजहाँ द्वारा दिल्ली में बनवाये गये दो भवनों का नाम बताइए।
5. ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के द्वारा अंग्रेजी साम्राज्य के विस्तार के लिए अपनाए जाने वाले कोई दो तरीकों को लिखिए।

6. बंगाल में स्थायी बंदोबस्त (इस्तमरारी) व्यवस्था को किसने और कब लागू किया था?
7. "महाजनपद" शब्द की परिभाषा दीजिए।
8. जीवन निर्वाह कृषि के कोई दो लक्षण लिखिए।
9. स्वामित्व के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण कीजिए
10. राज्य विधानसभा का सदस्य बनने के लिए कोई दो अनिवार्य योग्यताएँ लिखिए।
11. "लोकतंत्र" शब्द की व्याख्या कीजिए।

खण्ड [C]

12. भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंध के कारणों का वर्णन कीजिए।
13. चन्द्रगुप्त द्वितीय का काल प्राचीन भारत का स्वर्णकाल था। इसकी व्याख्या कीजिए।
14. वन संरक्षण क्यों आवश्यक है? ऐसे कोई दो उपाय सुझाइए जिनसे आप अपने आस-पास की वन संपदा को सुरक्षित रख सकते हैं।
15. उन चार राज्यों के नाम लिखीए जहाँ मुख्य रूप से अभ्रक के भण्डार पाए जाते हैं।
16. देश के विकास में सड़क परिवहन की महत्वपूर्ण भूमिका है, व्याख्या कीजिए।
17. जैविक खेती के तेजी से प्रचलन बढ़ने के कारणों को लिखिए।
18. भारतीय संविधान में दिए गए मूल अधिकारों का वर्णन कीजिए।
19. राज्य के अनिवार्य तत्व की व्याख्या कीजिए और यह भी बताइए कि राज्य के लिए संप्रभुता क्यों महत्वपूर्ण है?
20. लोकतंत्र के आधारभूत तत्वों का उल्लेख कीजिए।
21. गंगा को गंदगी और प्रदूषण से बचाने के लिए हम क्या प्रयास कर सकते हैं?

खण्ड [D]

22. भारत में बाबर को मुगल वंश स्थापित करने में कौन-सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, व्याख्या करें।
23. "हर्षवर्धन प्राचीन भारत का अंतिम महान शासक था।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
24. आर्थिक गतिविधियों के आधार पर अर्थव्यवस्था के क्षेत्र को वर्गीकृत कीजिए और प्राथमिक क्षेत्र की व्याख्या कीजिए
25. राजशाही शासन प्रणाली के दोष की व्याख्या कीजिए।

26. भारत के दिए गए मानचित्र में चिन्हित स्थानों का नाम लिखिए–

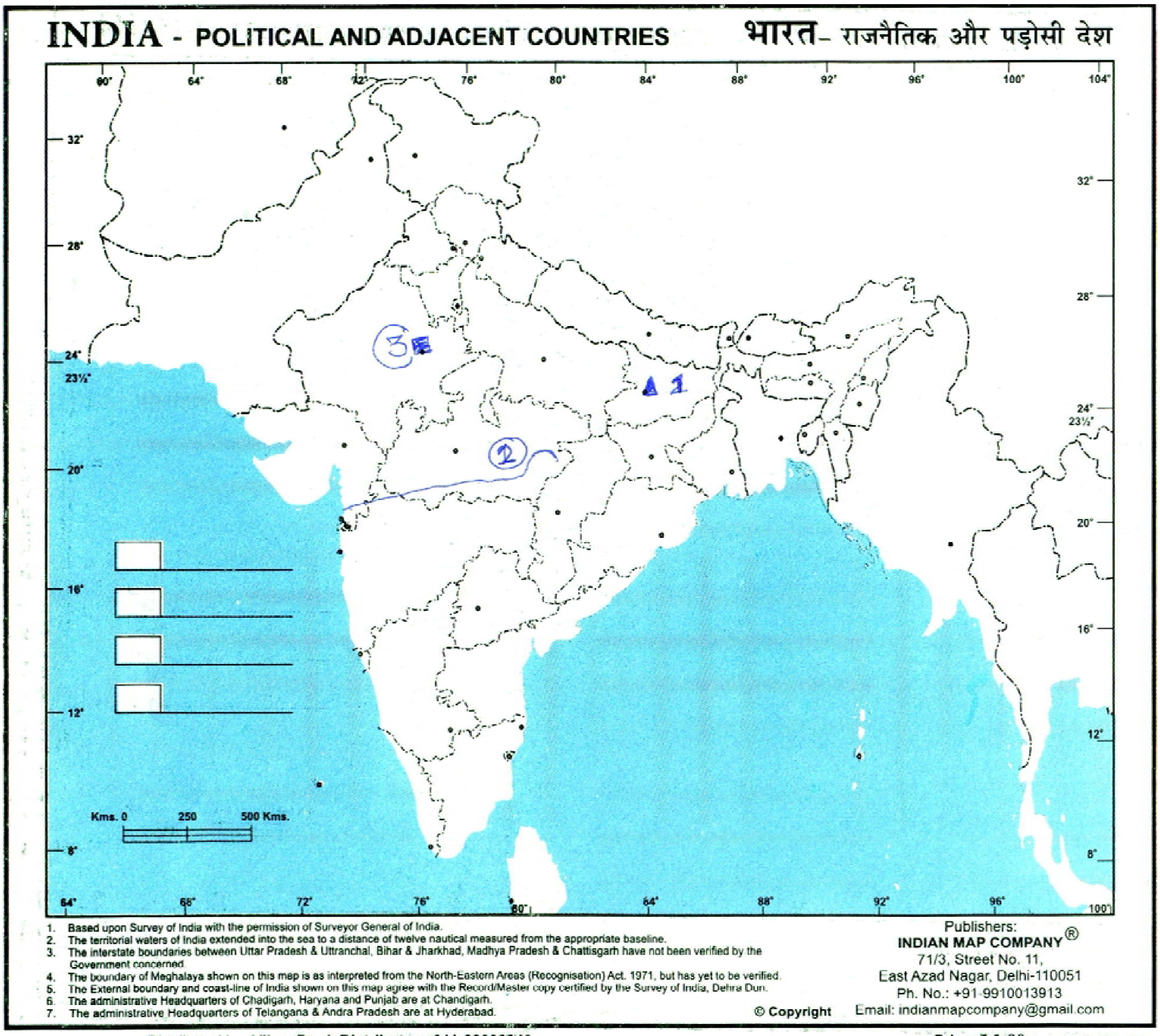

Distributed by: **Vikas Book Distributor– 011-22098340**

Price: ₹-1.00

(i) एक प्राचीन शासक की राजधानी

(ii) एक नदी

(iii) एक महाजनपद

अंक योजना

खण्ड [A]

1.	(i)	(घ)	ताँबा और काँसा	1
	(ii)	(ख)	उदगाता	1
	(iii)	(क)	अकबर	1
	(vi)	(घ)	बॉक्साइट	1
	(v)	(ग)	25.20 करोड़	1
	(vi)	(ग)	1.676 मीटर	1
	(vii)	(घ)	लोकसभा और राज्यसभा दोनों	1
	(viii)	(क)	बिहार	1
	(ix)	(ग)	भारत	1
	(x)	(ग)	राजघाट से	1

खण्ड [B]

2. सातवाहन वंश के शासक 2

   गौतमी पुत्र शतकर्णी
   यज्ञ श्री शतकर्णी
   वाशिष्ठी पुत्र पुलुमावी] इनमें से कोई दो

3. अलाउद्दीन खिलजी, खिलजी वंश 2

4. लाल किला, जामा मस्जिद 2

5. तरीके : 2

   (i) युद्ध एवं विजय द्वारा भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करना।

   (ii) सहायक संधि द्वारा भारतीय क्षेत्र पर नियंत्रण करना।

   (iii) विलय की नीति (हड़प्पा नीति) द्वारा भारतीय क्षेत्रों का अधिग्रहण। [इनमें से कोई दो]

6. लार्ड कार्नवालिस 1793 ई० में 2

7. जनपदों ने अपनी शक्ति और क्षेत्र का विस्तार कर बड़े क्षेत्र का निर्माण किया जिसकी राजधानी होती थी। राजा, सेना रखता था और प्रजा से कर वसूलता था। ऐसे आरंभिक राज्य महाजनपद कहलाए। 2

8. जीवन निर्वाह कृषि के लक्षण : 2

(i) गुजर-बसर के लिए खेती करना।

(ii) खेत छोटे-छोटे होते हैं।

(iii) अपनी जरूरत को ध्यान में रखकर किया जाता है।

(iv) साधारण और सस्ते औजार का उपयोग होता है।

(v) आधुनिक और महंगे यंत्रों का उपयोग नहीं होता है। [कोई दो]

9. स्वामित्व के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण है- 2

(i) सरकारी उद्योग (सार्वजनिक क्षेत्र)

(ii) निजी क्षेत्र

(iii) मिश्रित या संयुक्त क्षेत्र

(iv) सहकारी क्षेत्र

10. राज्य विधान सभा के सदस्य बनने के लिए अनिवार्य योग्यताएँ- 2

(i) भारत का नागरिक हो।

(ii) आयु कम से कम 25 वर्ष हो।

(iii) पागल या दीवालिया न हो।

(iv) राज्य या केन्द्र सरकार के किसी लाभ के पद पर न हो।

(v) कानून द्वारा विधान सभा सदस्य चुने जाने के अयोग्य न ठहराया गया हो। [कोई दो]

11. लोकतंत्र एक ऐसी शासन व्यवस्था है जिसमें जनता अपने चुने हुए प्रतिनिधि के द्वारा स्वयं शासन करती है। लोकतंत्र जनता का, जनता के द्वारा, जनता के लिए शासन है। 2

खण्ड [C]

12. विभाजन के समय की दशा, सीमा-विवाद, कश्मीर समस्या, और आतंकवाद। 4

13. (i) चन्द्रगुप्त द्वितीय कला व साहित्य का संरक्षक था। 4

(ii) इसके राज्य में शांति-व्यवस्था बनी रही।

(iii) कृषि, उद्योग, व्यापार, साहित्य, कला, विज्ञान में काफी प्रगति हुई।

(iv) लोगों का जीवन सुखमय और समृद्ध हुआ।

14. वन संरक्षण मानव जीवन के लिए आवश्यक है। इससे हमें अनेक संसाधन प्राप्त होते हैं। उद्योगों के लिए कच्चा माल तथा अनेक वन उत्पाद भी प्राप्त होते हैं।

संरक्षण के उपाय– जलाऊ लकड़ी पर निर्भरता कम करना, नियंत्रित कटाई, पशुचारण में कमी, आग से बचाव, अवैध कटाई पर नियंत्रण आदि। 2+2

15. मुख्य राज्य जहाँ अभ्रक के भंडार है- बिहार, झारखण्ड, आन्ध्र प्रदेश और राजस्थान। 4

16. देश के विकास में सड़क परिवहन का महत्व- 4

(i) उद्योगों के लिए कच्चे माल और उनके तैयार माल के परिवहन में सड़क का बड़ा योगदान है।

(ii) सड़क से दूर-दराज, गाँवों और दुर्गम स्थानों तक पहुँचते हैं।

(iii) सड़क सुविधाजनक परिवहन साधन है।

(iv) कृषि उत्पादन बढ़ाने और कृषि उपज को बाजार तक पहुँचाने में सहायक है।

(v) प्राकृतिक आपदा में पीड़ितों को राहत देने में सड़क लाभदायक है।

17. जैविक खेती के प्रचलन बढ़ने के कारण- 4

(i) लागत बहुत कम आती है।

(ii) उपज स्वादिष्ट और सेहत के लिए उत्तम होती है।

(iii) मिट्टी की सेहत भी अच्छी बनी रहती है।

(iv) उपज का मूल्य बाजार में अधिक मिलता है।

(v) रसायन और उर्वरक का उपयोग न होने से पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों अच्छा रहता है।

18. भारतीय संविधान में दिए गए मूल अधिकार हैं- 4

(i) समानता का अधिकार

(ii) स्वतंत्रता का अधिकार

(iii) शोषण के विरुद्ध अधिकार

(iv) धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार

(v) संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार

(vi) संवैधानिक उपचारों का अधिकार

19. राज्य के अनिवार्य तत्व- 2+2

(i) जनसंख्या

(ii) निश्चित भूभाग

(iii) सरकार

(iv) संप्रभुता

संप्रभुता का अर्थ है- राज्य की सरकार अंदर से शक्तिशाली, सर्वोच्च और बाहर से स्वतंत्र हो। राज्य पर बाहरी शक्ति का नियंत्रण न हो। जैसे- स्वतंत्रता के पहले भारत संप्रभुता के अभाव में राज्य नहीं था। पर अब संप्रभुता सहित जनसंख्या, भू-भाग, सरकार होने के कारण राज्य है। संप्रभुता के अभाव में राज्य नहीं हो सकता।

20. लोकतंत्र के आधारभूत तत्व हैं- 4

(i) कानून का शासन

(ii) मौलिक अधिकार

(iii) सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार

(iv) राजनीतिक दल

(v) निर्वाचन व्यवस्था- आम चुनाव, मध्यावधि चुनाव, उपचुनाव

(vi) संचार माध्यम- प्रेस

21. (i) गंगा में गंदगी न बहाएँ और न बहाने दें। 4

(ii) गंगा के किनारे शौच न करें।

(iii) पूजा की सामग्री और बासी फूल आदि गंगा में न डालें।

(iv) गंगा घाट पर कूड़ा कर्कट को साफ कर दें।

खण्ड [D]

22. भारत में बाबर द्वारा मुगल वंश को स्थापित करने में आने वाली कठिनाइयाँ- 6

(i) कुलीन वर्ग और सेनापति वापस लौटना चाहते थे।

(ii) अजनबी वातावरण।

(iii) मेवाड़ शासक राणा सांगा द्वारा मुगल सेना को भगाने के लिए सेना गठित करना।

(iv) अफगानी शासक बंगाल, बिहार में अपनी खोई शक्ति पुनः प्राप्त करने में लगे थे।

(v) राजपूतों और अफगानों का विरोध।

23. (i) हर्षवर्धन का राज्याभिषेक मात्र 16 वर्ष की उम्र में 606 ई० में हुआ। 6

(ii) राजधानी कन्नौज बनाया।

(iii) पुत्री का विवाह मैत्रक वंश के शासक से किया और शक्ति बढ़ाया।

(iv) उत्तर भारत- पंजाब, उत्तर प्रदेश, बंगाल, बिहार और उड़ीसा को संगठित किया।

(v) कृषि, व्यापार, उद्योग, शिल्प को बढ़ावा दिया।

(vi) स्वयं विद्वान था और विद्वानों को संरक्षण दिया। बाणभट्ट दरबारी कवि थे जिन्होंने हर्षचरित लिखा।

(vii) राजनीतिक स्थिरता प्रदान कर उत्तर भारत को एक सूत्र में बाँधा और देव की उपाधि धारण की।

(viii) दक्षिण में नर्मदा नदी तक साम्राज्य फैलाया।

(ix) 646 ई. में चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय द्वारा नर्मदा के तट पर पराजित हुआ और 647 ई. में मृत्यु हो गई।

24. आर्थिक गतिविधियों के आधार पर अर्थव्यवस्था के तीन क्षेत्र हैं- प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक क्षेत्र, तृतीयक क्षेत्र। 3+3

प्राथमिक क्षेत्र-

(i) प्राकृतिक संसाधन शामिल हैं।

(ii) सबसे पुरानी आर्थिक गतिविधि है।

(iii) खेती-बाड़ी, पशुपालन, मछली पालन आदि।

(iv) दूसरे क्षेत्रों को कच्चा माल उपलब्ध कराती है।

25. राजशाही शासन प्रणाली के दोष- 6

(i) राजा की आज्ञा का उल्लंघन करना पाप माना जाता है।

(ii) राजा का विरोध नहीं होता है।

(iii) अयोग्य और अत्याचारी शासक भी सफलतापूर्वक शासन करता है।

(iv) राजा का पुत्र ही राजा होता है।

(v) राजा निरंकुश होता है।

(vi) राजा जनता को प्रबुद्ध और जागरुक बनाने की दिशा में कोई कार्य नहीं करता।

(vii) जनता अज्ञानी, अशिक्षित और कूपमंडूक बनी रहती है।

(viii) आधुनिक स्वतंत्रता के युग में यह उपयुक्त नहीं है।

26. 1. सम्राट अशोक की राजधानी - मगध 2+2+2

2. नर्मदा

3. बरौनी तेल शोधक कारखाना - बिहार

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
मुक्त बेसिक शिक्षा कार्यक्रम

प्रश्न पत्र प्रारूप

विषय : सामाजिक विज्ञान — **स्तर / कक्षा** – ग

अंक : 100 — **समय :** 3 घंटे

1. उद्देश्यानुसार अंक विभाजन

उद्देश्य	**अंक**	**%**
ज्ञान	40	40
समझ	50	50
अनुप्रयोग / कौशल	10	10
कुल	**100**	**100**

2. प्रश्नों के प्रकारानुसार अंक विभाजन

सवाल के प्रकार	**अंक**	**प्रश्नों की संख्या**	**कुल अंक**	**समय (मिनट में)**
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (LA)	06	05	30	12x05 = 60
लघु उत्तरीय प्रश्न (SA)	04	10	40	05x10 = 50
अति लघुउत्तरीय प्रश्न (VSA)	02	10	20	03x10 = 30
बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ)	01	01 (10 उप प्रश्न)	10	02x10 (i to x) = 20
		26	**100**	160+20 = 180

3. विषय वस्तु अनुसार अंक विभाजन

मॉड्यूल	**पाठ संख्या**	**पाठों की संख्या**	**अंक**
I. सामाजिक विज्ञान : एक परिचय एवं इतिहास	00 से 08	09	35
II. भूगोल	09 से 15	07	35
III. राजनीति विज्ञान	16 से 19	04	25
IV. सामान्य मुद्दे	20	01	05
04		**21**	

4. प्रश्नपत्र का कठिनाई स्तर

स्तर	**अंक**	**%**
कठिन	10	10
औसत	60	60
सरल	30	30
	100	**100**